वर्ष-12 , अंक-42 प्रयागराज, रविवार 20 अक्टूबर 2024 से शनिवार 26 अक्टूबर 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

T M

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का होगा जीर्णोद्धार, कानून मंत्री बोले- सर्वे रिपोर्ट का हो रहा इंतजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना 'रत्न भंडार' 14 जुलाई को खोला गया (जीपीआर) सर्वेक्षण सहित अभ्यास किया था। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि रत्न भंडार की तकनीकी सर्वेक्षण रिपोर्ट होने के बाद कीमती सामान रत्न भंडार में वापस ले जाया जाएगा।ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना 'रत्न भंडार' 14 जुलाई को खोला गया था। मंदिर प्रशासन ने रत्न भंडार के बाहरी और भीतरी चैंबरों से सभी मूल्यवान सामान और आभूषण हटा दिए थे और उन्हें मंदिर परिसर के भीतर एक अस्थायी कमरे में सुरक्षित रखा गया था। इसके बाद एएसआई ने मंदिर के रत्न भंडार का सर्वे किया था। यह तकनीकी सर्वे 23 सितंबर को पूरा हुआ था। अब तकनीकी सर्वेक्षण की रिपोर्ट आने के बाद यहां मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू किया जाएगा। सरकार ने इसकी तैयारी कर ली है। इससे पहले रत्न भंडार को सन 1978 में खोला गया था। भाजपा ने ओडिशा में सत्ता में आने पर 12वीं सदी के मंदिर के खजाने को फिर से खोलने का वादा किया था। इसे दोबारा खोलना राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा था। इससे पहले रत्न भंडार 1905, 1926 और 1978 में खोला गया था।

था। मंदिर प्रशासन ने रत्न भंडार के बाहरी और भीतरी चैंबरों से सभी मूल्यवान सामान और आभूषण हटा दिए थे। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का जीर्णोद्धार कराने के लिए ओडिशा सरकार ने तैयारी कर ली है। इसके लिए रत्न भंडार को खोलकर उसका भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सितंबर में रत्न भंडार का ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार जल्द ही जारी होने की संभावना है। इसके बाद जीर्णोद्धार का काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अगले तीन से चार दिनों में जीपीआर सर्वेक्षण रिपोर्ट मिल जाएगी। यदि कीमती सामानों का भंडारण पाया जाता है, तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। अन्यथा एएसआई रत्न भंडार की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू कर देगा। जीर्णोद्धार कार्य पूरा

गौशाला में भंडारा कर किया नवरात्रि महोत्सव का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र । नवरात्रि महोत्सव में नौ दिन मां दुर्गा की पूजा करने के बाद अनुसार जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर द्वारा मां दुर्गा की पूजा कलश स्थापना करते हुए नौ

मंदिर परिसर में रविवार को मां का भंडारा करते हुए जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी ने सोमवार को नगर पालिका परिषद रार्वर्टसगंज द्वारा संचालित गौशाला में किया भंडारा। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय की अगुवाई में कमेटी के मुख्य यजमान अनुपम तिवारी ने बाकायदा गौमाता को चंदन तिलक कर माल्यार्पण किया और गौमाता को भोजन कराया। गिरीश पाण्डेय ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के दिन किया गया। शनिवार को कलश विसर्जन शोभा यात्रा के माध्यम से कलश विसर्जन करते हुए रविवार को मां दुर्गा मंदिर परिसर में भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आज गौशाला में भंडारा करते हुए गौमाता को भोग प्रसाद खिलाकर नवरात्रि महोत्सव का समापन किया गया। इस मौके पर जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के मुख्य व्यवस्थापक विष्णु दूबे, अशोक कुमार, रमेश कुमार, राहुल सहित कमेटी के भक्त उपस्थित थे।

4 साल बाद भी आधे गांव में नल तक नहीं लग पाया है,आप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल के साथ जल जीवन मिशन अधिशाषी अभियंता/मिशन संचालक सोनभद्र को हर घर नल जल से संबंधित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से और योगी आदित्यनाथ स्वयं सोनभद्र आकर 22 को फीता काटकर 2892 करोड़ के जल जीवन मिशन की शुभारंभ किया था और जनता को आश्वासन दिया था कि यह परियोजना मार्च 2024 तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगी, जिससे हर घर नल जल पहुंचेगा, लेकिन आज 4 साल बाद भी आधे गांव में नल तक नहीं लग पाया है, कई क्षेत्र में पाइप बिछाने के लिए खुदाई हो रही है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को प्रशासन से धमकी मिलती हैं। रॉबर्ट्सगंज विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा हर घर नल जल के सप्लाई के समय में बदलाव होना चाहिए। जहां नल लगा है वहां भी कई नलों से दूषित पानी आने की सूचना मिली है। जहा पानी आ रहा वहा ऐसे समय पर आ रहा है, कभी 10 बजे कभी 11बजे, जब किसान मजदूर अपने कामों पर चले जाते है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों को विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन का भय दिखाया गया है। अगस्त माह में कई आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के घर तक पुलिस गई थी। आज के कार्यक्रम में जशवंत मौर्या संयुक्त जिला महासचिव,दिनेश मौर्या वि0स0 महासचिव, राजेश प्रधान, अनवर अली, परदेशी पटेल, नागेंद्र मौर्या,मनोज डे,सुरेंद्र पटेल, प्रेम नाथ कनौजिया आदि शामिल रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

कौशलं बलम्

NAINI ALLAHABAD

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

कुम्भ नगरी प्रयागराज

सड़क किनारे अफरा-तफरी, हाइटेंशन तार की जद में आया डंपर, सड़क किनारे धू-धू कर जलने लगा वाहन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। चंदौली के सिंधिताली के समीप सड़क पर जा रहा डंपर अचनाक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। डंपर में आग लग गई और चालक झुलस गया। मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी और आग पर काबू पर लिया गया। डंपर चालक का इलाज जारी है।चंदौली के नियामताबाद स्थित अलीनगर थाना क्षेत्र के सिंघीताली के समीप सोमवार को एक डंपर हाईटेंशन तार की जद में आ गया। इससे डंपर में बिजली करंट प्रवाहित होने के कारण उसमें आग लग गई। जिससे केबिन का हिस्सा धू-धूकर जलने लगा। इस घटना में चालक भी इसकी चपेट में आ गया। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। किसी तरह चालक को केबिन से निकालकर बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। जबकि सूचना पर पहुंचे फायरब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया।सोनभद्र निवासी चालक 35 वर्षीय सोनू डंपर लेकर जा रहा था। उसी दौरान सिंघीताली के पास नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार से डंपर छू गया। इससे डंपर में बिजली करंट उतर गया और केबिन का हिस्सा जलने लगा। जिससे चालक इसकी चपेट में आ गया।घटना के बाद अफरातफरी मच गई। किसी तरह चालक को बाहर निकालकर बीएचयू ट्रामा सेंटर भेजा गया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बाबत अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्रा ने बताया कि हाईटेंशन तार से छू जाने से डंपर में आग लगी थी।

मकान का काम करते समय ऊपरी हिस्से से गिरा राजगीर मिस्त्री, सिर के उड़े चिथड़े; तोड़ा दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। के कैंट क्षेत्र में सोमवार को मकान का काम कर रहे राजगीर मिस्त्री की ऊपरी हिस्से से गिरने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। वाराणसी जिले के कैंट थाना क्षेत्र के टकटकपुर में एक मकान में काम कर रहे राजगीर मिस्त्री की गिरकर मौत हो गई। रिटायर्ड कर्मचारी अजय श्रीवास्तव के मकान में वह ग्रिल का काम कर रहा था। जहां से वह असंतुलित होकर सीधे गली में सिर की तरफ गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राजगीर मिस्त्री विनय कुमार (35) के साथ ही दो लेबर व मिस्त्री और काम कर रहे थे। विनय के गिरने के बाद वह दौड़ कर नीचे आए, लेकिन सिर के तरफ से गिरने के चलते बुरी तरह जख्मी हो गया था। राजगीर मिस्त्री के सिर से काफी खून बह गया, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। वह मड़वा का रहने वाला था। विनय की मौत की खबर सुनते ही उसकी पत्नी बसंती भी दौड़ कर मौके पहुंची और दहाड़े मारकर रोने लगी। उसका एक बेटा राहुल है।

ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ लॉर्ड्स को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर प्रयागराज लौटने पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा स्वागत और अभिनंदन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ लॉर्ड्स को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर प्रयागराज लौटने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव का आज दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को यमुनापार करमा बाजार में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा स्वागत और अभिनंदन किया गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन प्रयागराज जमुनापार ने समारोह आयोजित कर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को सम्मानित किया। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को ब्रिटेन सरकार ने ट्रेलब्लेजर ऑफ इंडिया पायनियरिंग द पाथ टू विकसित भारत 2047 विषयक व्याख्यान के लिए 18 सितंबर को आमंत्रित किया था। इस मौके पर न्यायमूर्ति यादव ने ब्रिटिश संसद में दिए व्याख्यान को अधिवक्ताओं के बीच साझा भी किया। उन्होंने ब्रिटिश संसद में कहा था कि विदेशी ताकतों ने देश को कई बार लूटा लेकिन संस्कृति और आदर्शों के कारण भारत अब भी मजबूती से न सिर्फ खड़ा है अपितु आगे भी बढ़ा है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश तोमर जी ने न्यायमूर्ति श्री शेखर कुमार यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सभा का संचालन अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ सलाहकार हसन नकवी द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश प्रभारी उदय प्रताप, महानगर महामंत्री प्रयागराज मंडल अभिनव केसरवानी , महिला प्रकोष्ठ अधिकारी सपना कुमारी, करछना तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल,अधिवक्ता राशिद सिद्दीकी तथा सैकड़ो सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के पश्चात श्याम ग्रुप की तरफ से मुख्य अतिथि के रूप में आगमन किए जाने पर शाम ग्रुप के द्वारा आयोजित किए गए प्रतियोगिता में जीतने वाले प्रतिभागी छात्र एवं छात्राओं को माननीय न्यायमूर्ति श्री शेखर कुमार यादव द्वारा मोमेंटो मेडल एवं साइकिल देकर पुरस्कृत किया गया।

जानवर की दहशत, जंगली हमले में बालक घायल, अस्पताल ले जाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। तिलठी गांव में हमलावर जानवर की दहशत है। जानवर के हमले में बालक घायल हो गया है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। आपको बता दें कि भेड़िये की चर्चाओं से पहले ही ग्रामीणों में दहशत थी अचानक आक्रोशित वन्य जीव के हमले से ग्रामीणों में दहशत है। मिर्जापुर के चील्ह थाना क्षेत्र स्थित तिलठी गांव में किसी अनजान जानवर के काटने से बालक जख्मी हो गया। उसे मंडलीय अस्पताल से वाराणसी रेफर कर दिया गया। चील्ह थाना क्षेत्र के तिलठी गांव निवासी श्रीधर का पांच वर्षीय पुत्र आयुष अपने घर के पास शाम सात बजे खेल रहा था इस दौरान किसी जानवर ने आकर उसके ऊपर हमला बोल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन फानन में ग्रामीणों ने दौड़ करके देखा तो बिगवा जैसा कोई जानवर भागता हुआ दिखाई पड़ा। घटना की सूचना पर लाठी-डंडा लेकर काफी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गये।घटना की सूचना पर मौके पर 112 नंबर पुलिस पहुंची। घायल को मंडलीय अस्पताल इलाज के लिए ले गये। जहां पर डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
DURGAWATI GROUP INSTITUTIONS
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News
READ LEAD SUCCEED
THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!
HOSTEL FACILITY
★ AC hostel facilities are available for the boys from class 3rd onwards.
★ Quality food
★ Personal care
★ 24/7 power backup
★ Special tuition classes for hostelers
★ Free health checkup per month.
★ Infirmary faciliti is also available
★ Well equipped laboratories and digital Library
पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट
Admissions OPEN
PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)
SCHOOL FACILITIES
★ Affordable fee & High-tech infrastructure.
★ Spacious and colorful classrooms.
★ Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
★ Free personality development.
★ English spoken classes for each student.
★ RO water and CCTV facilities.
★ Pick and drop facilities with full safety.
★ Trained PE Teacher along with
★ Spacious playground
Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)
Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

धूमधाम से निकली कलश विसर्जन शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में स्थापित मां दुर्गा के कलश की विदाई धूमधाम से करते हुए भक्तों ने निकाला कलश विसर्जन शोभा यात्रा। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बताया कि कलश विसर्जन में जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के भक्त एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु माताओं बहनों ने भाग लिया। कलश विसर्जन शोभा यात्रा ब्रम्हनगर से चलकर अकड़ हवा पोखरे तक पहुंची जहां कमेटी के मुख्य यजमान अनुपम अर्चना तिवारी ने मां के कलश को विधि-विधान से पूजन कर अकड़ हवा पोखरे में विसर्जित किया।

एक दिवसीय जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं साइंस मेला सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, जनपद-सोनभद्र के तत्वावधान में जनपद स्तरीय ठयुवा उत्सवठ एवं ठसाइंस मेलाठ का आयोजन दिनांकः 19 अक्टूबर, 2024 को राजकीय बालिकाइण्टर कालेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में किया गया। इस आयोजित' 'युवा उत्सवठ में जनपद के समस्त विकास खण्डों / शैक्षिक संस्थानों से 15 से 29 वर्ष की मध्य आयु वर्ग के कुल 83 पुरूष एवं महिला कलाकारों तथा ठसाइंस मेलाठ में जनपद के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कालेजों से कुल 98 पुरूष एवं महिला युवा वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। युवा उत्सव प्रतियोगिता सांस्कृतिक अवयव के अन्तर्गत लोकनृत्य (समूह/ एकल), लोकगीत (समूह/ एकल) एवं जीवन कौशल अवयव के अन्तर्गत कविता, कहानी लेखन, चित्रकारी, डिक्लेमेशन तथा थीमेटिक अवयव के अन्तर्गत साइंस मेला (समूह/ एकल) की विधाओं में आयोजित किया गया है। ठसाइंस मेलाठ भारत सरकार द्वारा आवंटित थीम की प्रतियोगिताओं को सम्मिलित कर आयोजित किया गया। आयोजन का शुभारम्भ कैप्टन आशुतोष चौधरी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी तथा जय राम सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र ने प्रतिभागी कलाकारों तथा युवा वैज्ञानिकों को सम्बोधितकरते हुए कहा कि आप इस प्रतियोगिता में विजयी होकर आगे की प्रतियोगिताओं क्रमशः मण्डल स्तर, प्रदेश स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर विजेता बनें तथा अपने माता-पिता व जनपदं का नाम रोशन करें। युवा उत्सव एवं साइंस मेला प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा :- लोक नृत्य (ग्रुप) विधा में :- कल्पना विकास इण्टर कॉलेज, दुद्धी की पूजा की टीम विजेता तथा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की संगीता की टीम उप विजेता रही। लोक नृत्य (एकल) विधा में :- राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की प्रीती विजेता तथा विकास खण्ड को न की राखी उपविजेता रही। लोक गीत (ग्रुप विधा में :- आर0पी0पी0जी0 कॉलेज धरसड़ा घोरावल की सपना मौर्या की टीम विजेता तथा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की टीम उपविजेता। लोक गीत (एकल) विधा में :- राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की निशा विजेता तथा विकास खण्ड राबर्ट्सगंज की डॉली मिश्रा उपविजेता रही। कविता की प्रतिस्पर्धा में :- राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की जागृति पाण्डेय विजेत तथा राजा शारदा महेश इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज गंज के प्रखर त्रिपाठी उपविजेता रहें।(2) कहानी लेखन की प्रतिस्पर्धा में :- राजा शारदा महेश इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज की ब्यूटी विजेता तथा प्रकाश जिनियस पब्लिक स्कूल ओबरा सरिता सिंह उपविजेता रही। पोस्टर निर्माण प्रतिस्पर्धा में :- विकास खण्ड चोपन की सानिया फैज अन्सारी विजेता तथा राजकीय पी0जी0 कॉलेज ओबरा की अनन्या सिंह उपविजेता भाषण की प्रतिस्पर्धा में :- प्रकाश जिनियस पब्लिक स्कूल ओबरा की शगुन द्विवेदी विजेता तथा आर0पी0पी0जी0 कॉलेज घोरावल के नितिन मिश्रा उपविजेता रहें। साइंस मेला के अन्तर्गत ठविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचारठ (ग्रुप) प्रतिस्पर्धा में :- राजकीय पालिटेक्निक चोपन के आर्यन विश्वकर्मा की टीम विजेता तथा राजकीय पालिटेक्निक सोनभद्र सुनील कुमार की टीम उपविजेता रही। साइंस मेला के अन्तर्गत ठविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचारठ (ग्रुप) प्रतिस्पर्धा में :- राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र की सिया सिंह विजेता तथा सलैया के अजय उपविजेता रहे। इन विजेता कलाकारों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रमोद कुमार प्रधानाचार्य, राजकीय पालिटेक्निक सोनभद्र एवं वन्दना सिह प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज द्वारा संयुक्त रूप से वितरित किया गया। शशि भूषण शर्मा, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी द्वारा इस युवा उत्सव के विजेता खिलाड़ियों को शुभकामना सहित आर्शीवाद देते हुए कहा कि आप क्रमशः उच्च स्तर पर प्रतिभाग कर विजयी बनें एवं राष्ट्र स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025 में प्रतिभाग कर अपने जनपद का नाम रोशन करें साथ ही इस प्रतिस्पर्धा में जो कलाकर विजयी नहीं हो सके हैं उनका उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि वे अत्यधिक लगन व मेहनत से तैयारी करें तथा आगामी वर्षों में प्रतिभाग कर विजेता बनें। इस युवा उत्सव के विजेता कलाकारों द्वारा मीरजापुर में आयोजित मण्डल स्तरीय युवा उत्सव की प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग किया जाएगा। इस अवसर पर अमरेश चन्द्र त्रिपाठी, युवा कल्याण विभाग के प्रदीप कुमार सिंह, व्यायाम प्रशिक्षक, रवि शंकर कुशवाहा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राबर्ट्सगंज, धर्मेन्द्र कुमार सिंह क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दुद्धी, अनुज त्रिपाठी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी घोरावल, महफूज अली खान कनिष्ठ सहायक, जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार विश्वकर्मा, अवधेश कुमार, सहित आदि लोग उपस्थित रहें। निर्णायक के रूप में सुभाष कुमार गौतम, दिवाकर सिंह एवं निशा सिंह ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी म्योरपुर विकास दूबे द्वारा किया गया।

जगत जननी के जयघोष से गूंजा विंध्याचल धाम का कोना कोना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

विंध्याचल। शारदीय नवरात्र के नवमी तिथि पर विंध्याचल माई के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने देवी धाम में हाजिरी लगाई। पहाड़ पर त्रिकोण परिक्रमा भी किया। भोर में मंगला आरती से लेकर रात तक मंदिर का कोना कोना मां की जय जयकार से गूंजता रहा।श्रद्धालु नारियल, चुनरी, माला, भोग प्रसाद लेकर धाम की तरफ जाने वाली कतारों में खड़े हो गए थे। भक्त माता के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर विभोर हो उठे। काली खोह स्थित महाकाली मंदिर सहित अष्टभुजा पहाड़ पर विराजमान मां अष्टभुजी देवी और मां तारा देवी मंदिर जाकर बड़े श्रद्धा भाव से दर्शन पूजन किया। देर रात तक घंटा, घड़ियाल, शंख, नगाड़ा की ध्वनि के बीच नर, नारी और बच्चे मां का जय जयकार करते रहे। विंध्याचल मंदिर की छत पर साधक जगह-जगह बैठ वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच साधना में तल्लीन रहे। भक्तों ने मंदिर के गुंबद की परिक्रमा करके पुण्य कमाया। मंदिरों में विधिवत दर्शन पूजन के बाद भक्त रेलवे स्टेशन, रोडवेज परिसर पर जाकर साधनों को पकड़कर अपने अपने घरों के लिए रवाना हुए।मां विंध्यवासिनी धाम के निकास द्वार से पुलिस कर्मियों के प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर पंडा समाज में काफी आक्रोश है। शुक्रवार को अष्टमी और नवमी दोनों तिथि एक साथ होने पर मां विंध्यवासिनी के दरबार में लाखों श्रद्धालु पहुंचे। ऐसे में कई घंटे तक कतार में खड़े होकर आम श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे थे। शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया पर निकास द्वार से पुलिस कर्मियों के प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। इसके बाद पंडा समाज ने इस पर आक्रोश व्यक्त किया। महाअष्टमी पर अष्टभुजा पहाड़ पर महानिशा का पूजन के लिए बड़ी संख्या में साधक जुटे। साधकों ने विधि-विधान से अर्धरात्रि में राम गया घाट, भैरव कुंड सहित अष्टभुजा पहाड़ की कंदराओं व गुफाओं में महानिशा का पूजन किया। विंध्याचल के पहाड़ पर जगह-जगह आसन लगाकर बैठे साधक यंत्र तंत्र मंत्र के माध्यम से साधना में लीन नजर आए। अष्टभुजा पहाड़ पर महानिशा का पूजन देखने के लिए विंध्याचल सहित नगर के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे हुए थे। त्रिकोण मार्ग पर विभिन्न मंदिरों में तंत्र साधना का अद्भुत अनुष्ठान साधकों द्वारा किया गया।

ब्रम्हनगर वाली मां दुर्गा दरबार में हुआ भंडारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में स्थापित मां दुर्गा दरबार में पिछले साल की भांति इस साल भी मां के कलश विसर्जन शोभा यात्रा के बाद रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया।जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि कोर कमेटी 2024 के सदस्यों और ब्रम्हनगर एवं नगर वासियों के सहयोग एवं मां के आशीर्वाद से भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। गिरीश पाण्डेय ने कोर कमेटी के सभी सदस्य भक्तों एवं भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर आयोजन को सफल बनाने वाले सभी मां के भक्तों को आभार भी ज्ञापित किया।

जिले के राम गांव थाना क्षेत्र के रेहुआ मंसूर गांव की प्रतिमा रविवार शाम को विसर्जन के लिए रवाना हुई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बहराइच। जुलूस हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में पहुंची। बाजार निवासी अब्दुल हमीद के घर के सामने से निकल रहे जुलूस में लोग जयकारा लगा रहे थे। इसी दौरान मूर्तियों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव के बीच ही उपद्रवियों ने गोली चला दी। गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा (22) पुत्र कैलाश नाथ उर्फ पुताई घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह सूचना महाराज गज बाजार पहुंची तो लोगों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर आग लगा दिए। चार मकान जलाकर राख हो गई। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएससी के जवान पहुंचे हैं। लेकिन गांव के लोगों ने चारों तरफ कई लोगों को घेर रखा है। मूर्तियों का विसर्जन रोक दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के सामने शव रखकर मृतक के परिजनों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। शहर की प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। इसके अलावा फखरपुर, राम गांव, कैसरगंज क्षेत्र की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। आधे जिले में घटना से अफरा तफरी मच गई है। पुलिस लोगों को समझाने का काम आकर रही है। लेकिन कुछ उपाय नहीं सूझ रहा है।

कड़ी सुरक्षा के बीच 40 स्थानों पर होगा प्रतिमा विसर्जन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले के 21 थाना क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार से आरंभ होगा। अलग-अलग तिथियों पर प्रतिमा विसर्जन के लिए 40 स्थान चिह्नित किए गए हैं। सबसे ज्यादा प्रतिमाएं धंधरौल और रिहंद जलाशय में विसर्जित की जाएंगी। विसर्जन स्थलों पर प्रकाश, बैरिकेडिंग के साथ गोताखोरों की व्यवस्था कराई गई है। पुलिस-प्रशासन की ओर से मजिस्ट्रेट भी नामित किए गए हैं।सबसे ज्यादा रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में 76 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यहां की ज्यादातर प्रतिमाओं का विसर्जन 13-14 को धंधरौल बांध, बलुई बंधी और बेलन नदी में होना है। इसके अलावा छोटी प्रतिमाएं गांवों के तालाबों में विसर्जित की जाएंगी। चोपन में 21, करमा में 30, पन्नूगंज में 46, शाहगंज में 29 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इनके विसर्जन के लिए भी अलग-अलग स्थान चिह्नित हैं। दुर्गा पूजा के समापन के बाद शनिवार से विसर्जन शुरू हो जाएगा। इसके मद्देनजर प्रशासन की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाता रहा। विसर्जन स्थलों पर प्रकाश, जनरेटर, बैरिकेडिंग के अलावा गोताखोर भी लगाए गए हैं। धंधरौल बांध, शिवाजी तालाब, दुद्धी, कोहरैल, रिहंद शक्तिनगर, रिहंद बीजपुर, रिहंद पिपरी, डोंगिया जलाशय सुकृत सहित अन्य शामिल हैं।

दशहरे पर व्यापारियों ने किया शस्त्र पूजन, बोले- भगवान राम हमारे आदर्श

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज व्यापार मंडल की ओर से दशहरे पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिविल लाइंस के पृथ्वी गार्डेन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों ने शस्त्र पूजन किया। विधि विधान से शस्त्रों की पूजा के साथ ही भगवान राम की आरती उतारी गई। एक दूसरे को दशहरे की शुभकामनाएं दी गईं पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारी शस्त्र और शास्त्र दोनों की पूजा करते हैं। भगवान राम हमारे आराध्य और आदर्श हैं। विजय दशमी के मौके पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्र पूजन किया गया।

धंधरौल बांध पर तैरते इंटेकवेल से 1.43 लाख लोगों की बुझेगी प्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। धंधरौल बांध पर बने तैरते इंटेकवेल से क्षेत्र के 23,779 परिवारों के 1.43 लाख लोगों की प्यास बुझेगी। जल जीवन मिशन की सबसे अनोखी योजना बेलाही ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना बनकर तैयार है। इस इंटेक से 205 गांवों में नल से स्वच्छ पेयजल की सप्लाई की जाएगी। इंटेक से लिया जाने वाला रॉ-वाटर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचेगा और यहां से सात पानी टंकियों के माध्यम से पेयजल सप्लाई की जाएगी।जल जीवन मिशन (हर घर जल) कार्यक्रम के तहत जनपद सोनभद्र में 12 ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण विभिन्न फर्मों से कराया जा रहा है। योजनाओं में जल आहरण के लिए सोन नदी, रेणु नदी, धंधरौल बांध, नगवां बांध एवं रिहन्द बांध के किनारे पारंपरिक इंटेकवेल का निर्माण किया जाना है। रिहंद, धंधरौल और नगवां बांध का धरातल पथरीला होने के कारण पारंपरिक इंटेकवेल के निर्माण में अत्यधिक समय एवं खर्च लगना था। साथ ही अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने में भी काफी कठिनाई आ रही थी। इसके समाधान के लिए वारी पोन्दून पुणे से फ्लोटिंग इंटेकवेल के लिए प्रस्तुतीकरण लिया गया और इसके लाभ को देखते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव को जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने इन नई विधि से सोनभद्र में पेयजल की चुनौतियों से निपटने का निर्णय लिया और फ्लोटिंग इंटेक सिस्टम का कार्य प्रारंभ किया गया। बता दें कि सोनभद्र क्षेत्रफल की दृष्टि से यूपी का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। जो चार राज्य मध्य प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं बिहार से घिरा हुआ है। सोनभद्र का 50 प्रतिशत भाग पहाड़ी एवं पथरीला होने के कारण भूमिगत जल में अशुद्धियां एवं जलस्तर कम है।यह संरचना जल कि सतह पर तैरती रहती है, जिस कारण इसे आसानी से अत्यधिक जल की उपलब्धता वाले स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। जिन स्थानों पर वॉटर बेसिन के अंदर पत्थर या चट्टानें पाई जाती हैं। वहां पारंपरिक इंटेकवेल का निर्माण किया जाना अत्यधिक कठिन होता है। ऐसे स्थानों के लिए फ्लोटिंग इंटक सिस्टम एक आसान विकल्प है। इस संरचना के निर्माण एवं रख रखाव की लागत पारंपरिक इंटकवेल से कम है। धंधरौल बांध में स्थायी इंटकवेल के बजाय फ्लोटिंग वेल का इस्तेमाल किया गया है। पथरीली इलाकों में कम लागत में जल्द से जल्द इसे तैयार किया जा सकता है।

डॉ बृजेश कुमार सिंह महादेव की पुस्तक स्वर्णिम सोनभद्र का हुआ विमोचन

सोनभद्र के बारे में जानने के लिए उपयोगी साबित होगी स्वर्णिम सोनभद्र
सीडीओ, एडी बेसिक व डायट प्राचार्य ने संयुक्त रूप से किया विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिला मुख्यालय पर उरमौरा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सोनभद्र परिसर में शनिवार को डॉ बृजेश कुमार सिंह ठमहादेवठ शिक्षक पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां, सोनभद्र द्वारा लिखित पुस्तक ठस्वर्णिम सोनभद्रठ का विमोचन किया गया। इस पुस्तक से सोनभद्र के बारे में जानने में काफी सहूलियत मिलेगी। डॉ बृजेश कुमार सिंह ठमहादेवठ की पुस्तक ठस्वर्णिम सोनभद्रठ का विमोचन सुश्री जागृति अवस्थी मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र, श्रीमती शेषबाला वर्मा मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) विंध्याचल मंडल, मृदुल आनंद पाण्डेय डायट प्राचार्य/ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र, राकेश कुमार तिवारी मंडलीय समन्वयक एमडीएम विंध्याचल मंडल, ओम प्रकाश त्रिपाठी राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक, डॉ अरमा देवी, डॉ ऋचा ओझा, राजेश मौर्य डायट प्रवक्ता, देवेंद्र गंगवार जिलामंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। सभी लोगों ने इस पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि सोनभद्र के बारे में जानने के लिए यह पुस्तक बहुत ही उपयोगी साबित होगी। बता दें कि भरहरी सोनभद्र निवासी डॉ बृजेश महादेव की एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। आप एशियन एजुकेशन अवार्ड, नेशनल बिल्डर्स अवार्ड व राज्य आईसीटी के साथ दर्जनों सम्मान पत्र प्राप्त किए हैं। आप जनपद के नवाचारी शिक्षक के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त स्काउट मास्टर भी हैं और पत्रिकाओं का सम्पादन भी करते हैं। डॉ बृजेश महादेव ने बताया कि सोनभद्र जनपद पर यह मेरी पहली पुस्तक है जो जनपद के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व प्राकृतिक पहलुओं को समेटे हुए है। इस पुस्तक के माध्यम से जनपद सोनभद्र को जानने का अवसर मिलेगा। इस उपलब्धि के लिए लेखक डॉ बृजेश महादेव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ को सभी शुभचिन्तकों ने बधाइयां दी है। विमोचन के अवसर पर डायट प्रवक्तागण सर्वश्री नीरज शर्मा, जयेन्द्र शंकर मिश्रा, सबनम, अवधेश कुमार, हरिवंश सिंह, हीरालाल प्रजापति, राज कुमार, सौरभ सिंह, जिज्ञासा यादव, सुनिल कुमार मौर्य, शंकर सिंह, मनोज कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी द्वय सर्वश्री अशोक कुमार सिंह, बृजेश कुमार सिंह, धनजय सिंह, विश्वजीत कुमार व एआरपी द्वय सर्वश्री ह्रदेश कुमार सिंह, विमल कुमार, डीसी सर्वश्री अवधेश कुमार भारती, जय किशोर वर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजूद रही।

मध्यस्थता केंद्र की पहल पर सुलझा ववािद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आपसी मनमुटाव के चलते 13 वर्षों से दंपती के बीच चल रहा ववािद शुक्रवार को सुलझ गया। मध्यस्थता केंद्र में आमने-सामने बैठने के बाद दोनों ने एक-दूसरे से गलि-शकिवे भुलाकर ववािद के समाधान का नर्णिय लयिा। स्वेच्छा से वह अलग-अलग रहने को राजी होकर घर गए। जलिा वधिकि सेवा प्राधकिरण की ओर से दीवानी न्यायालय परसिर में संचालति मध्यस्थता केंद्र ववािद सुलझाने में मददगार बना। प्राधकिरण के सचवि व अपर जलिा जज शैलेंद्र यादव ने बताया कि रेणुकूट के खाड़पाथर नविासी गीता गुप्ता की शादी वर्ष 2008 में बलयिा जलिे के दुबहड़ थाना क्षेत्र के कसिनीपुर गांव नविासी आनंद कुमार से हुई थी। शादी के कुछ वर्ष बाद ही दंपती में ववािद शुरू हो गया। वर्ष 2011 में गीता को ससुराल से नकिाल दयिा गया। वह मायके आकर रहने लगी। उसने पति के खलिाफ परविार न्यायालय में भरण पोषण का मुकदमा दाखलि कयिा। पत्रावली को परविार न्यायालय से वधिकि सेवा प्राधकिरण के मध्यस्थता केंद्र में सुलह-समझौता के लिए भेजा गया। शुक्रवार को मामले की सुनवाई मीडिएशन सेंटर में हुई। दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत की गई तो घरेलू बातों को लेकर उनमें मनमुटाव की बात सामने आई।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

मरीन लाइंस कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक हुआ बाबा सिद्दीकी का शव राजकीय सम्मान के साथ विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

महाराष्ट्र। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस

दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता, हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार की शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता, हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। इससे पहले उनके घर के बाहर जनाजे की नमाज अदा की गई। शनिवार की रात सिद्दीकी पर गोलीबारी की गई थी। जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन थोड़ी ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया था।

जापानी और विदेशी साहित्य की बढ़ी मांग; वहां की सभ्यता-लोक संस्कृति को जानना चाहते हैं युवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पैन मैकमिलन इंडिया के स्टॉल पर सिपोन मिस्त्री के अनुसार, इस बार युवाओं के बीच जापानी लेखकों की पुस्तकों की मांग बहुत बढ़ी है। शिलांग पुस्तक मेले में भारत ही नहीं, उन्हें बड़े-बड़े विदेशी साहित्यकारों की पुस्तकें आसानी से

मिल रही हैं। शिलांग पुस्तक मेले में जापानी लेखकों की पुस्तकों के प्रति रुचि देखी जा रही है। 13 अक्तूबर तक स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, शिलांग में चल रहे नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के इस पुस्तक मेले में भारतीय लेखकों के साथ-साथ विदेशी लेखकों की भी हजारों पुस्तकें हैं।पैन मैकमिलन इंडिया के स्टॉल पर सिपोन मिस्त्री के अनुसार, इस बार युवाओं के बीच जापानी लेखकों की पुस्तकों की मांग बहुत बढ़ी है। शिलांग पुस्तक मेले में भारत ही नहीं, उन्हें बड़े-बड़े विदेशी साहित्यकारों की पुस्तकें आसानी से मिल रही हैं। वे जापानी फिक्शन-नॉन फिक्शन को पसंद कर रहे हैं और सनका हिरागी, मीको कावाकामी, तोशिकाजू कावागुची और सोसुके नत्सुकावा जैसे मशहूर जापानी लेखकों की किताबों को अपने साथ ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने पिछले साल बीटीएस की बियॉन्ड द स्टोरी की कई प्रतियां बेचीं। इस बार जापानी लेखकों को शीर्ष स्थान मिल रहा है। हालांकि, अभी भी यह पुस्तक काफी लोकप्रिय है। जापानी उपन्यासों को पढ़ने के साथ-साथ युवा वहां की सभ्यता, लोक संस्कृति और जीवन को भी किताबों के माध्यम से समझना चाहते हैं।नेशनल बुक एजेंसी के सुजीत सिंह बताते हैं कि शिलांग के युवा इकिगाई 'जापानी सीक्रेट टू लॉन्ग एंड हैप्पी लाइफ और वाबी साबी' जापानी विजडम फॉर ए परफेक्टली इम्परफेक्ट लाइफ जैसे जापानी साहित्य को पढ़ना चाहते हैं। इस बार इनकी काफी मांग रही। सबसे लोकप्रिय जापानी लेखकों में से एक हारुकी मुराकामी के भी बहुत प्रशंसक हैं।

भारत-यूएस मिलकर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपट सकते हैं, पूरी दुनिया को होगा फायदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। डॉ. विवेक मूर्ति ने कहा कि बीते छह दशकों से अमेरिका और भारत ने साथ मिलकर चेचक,

पोलियो, एचआईवी, तपेदिक और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया है और अब मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ऐसा ही करने की जरूरत है। जहां हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं, कार्यक्रमों पर सहयोग कर सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। अमेरिका के सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य एक अहम मुद्दा है। इसमें प्राथमिकता से तेजी लाने का वक्त आ पहुंचा है, क्योंकि इसके नतीजे बेहद गंभीर हो रहे हैं। इसकी चुनौतियों से भारत और अमेरिका मिलकर निपट सकते हैं। मूर्ति ने कहा कि बीते छह दशकों से अमेरिका और भारत ने साथ मिलकर चेचक, पोलियो, एचआईवी, तपेदिक और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया है और अब मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ऐसा ही करने की जरूरत है। जहां हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं, कार्यक्रमों पर सहयोग कर सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। उनका मानना है कि इस सहयोग से न केवल दोनों देशों को बल्कि पूरे विश्व को फायदा हो सकता है। उन्होंने ये बातें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस) के शुक्रवार को अपने दौरे के दौरान कहीं।

रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के पहलू पर भी जांच करेगी, बागमती एक्स. हादसे के बाद फैसला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे

से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। चेन्नई के कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास बागमती एक्सप्रेस हादसे को लेकर रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के पहलू पर भी जांच करेगी। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा आयुक्त को मामले की वैधानिक जांच सौंपी गई है। हादसे को लेकर लोको पायलट समेत तमाम जिम्मेदारों से 16, 17 अक्तूबर को चेन्नई में पूछताछ होगी। रेलवे ने कहा कि दुर्घटना या संबंधित मामलों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति आयुक्त को साक्ष्य प्रदान कर सकता है।मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। मामले में रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। बंगलूरू दक्षिणी सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी दुर्घटना की वैधानिक जांच करेंगे। वहीं मामले में एनआईए के अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या दुर्घटना किसी तोड़फोड़ गतिविधि के कारण हुई थी? इसे लेकर एनआईए के एक अधिकारी ने दुर्घटना स्थल का प्रारंभिक निरीक्षण कर लिया है।रेलवे सूत्रों ने बताया कि सिग्नल एवं टेलीकॉम, इंजीनियरिंग और परिचालन विभाग के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की टीम ने कावराइपेट्टई रेलवे स्टेशन पर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद तोड़फोड़ की गंभीर आशंका जताई है। रेलवे पुलिस ने भी दुर्घटना का मामला दर्ज किया है दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने हादसे के बारे में बताया था कि जब कर्नाटक के मैसूर से बिहार के दरभंगा तक जाने वाली बागमती एक्सप्रेस ट्रेन का रूट- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते निर्धारित है। शुक्रवार को जब ट्रेन कावरापेट्टई स्टेशन से गुजर रही थी, उसी समय एक मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी। उसे प्राथमिकता दी गई। बागमती एक्सप्रेस को बिना रुके मुख्य लाइन से गुजरना था, क्योंकि इस स्टेशन पर निर्धारित स्टॉप नहीं है। मुख्य लाइन के लिए सिग्नल भी दिए जा चुके थे। हालांकि, मुख्य लाइन के लिए सिग्नल होने के बावजूद, ट्रेन लूप लाइन में घुस गई, जो असामान्य घटना है। हालांकि लोको पायलट और सहायक लोको पायलट दोनों सुरक्षित हैं।

हत्यारोपी धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं, अस्थि परीक्षण से हुई पुष्टि पुलिस हिरासत में भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र पुलिस एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही है। ताजा घटनाक्रम में अस्थि परीक्षण से इस बात की पुष्टि हुई है कि हत्यारोपी धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं है। पुलिस ने बताया कि अस्थि परीक्षण कराने के बाद इस बात की पुष्टि हुई है। जानिए इस हाईप्रोफाइल केस की जांच से जुड़े ताजा अपडेट्स बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस ने कहा है कि हत्या के आरोप में गिरफ्तार संदिग्ध धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं है। पुलिस के मुताबिक अस्थि परीक्षण से इस बात की पुष्टि होने के बाद धर्मराज को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने आरोपी धर्मराज कश्यप का अस्थिकरण परीक्षण कराया। इससे यह साबित हुआ कि वह नाबालिग नहीं है। इससे पहले शनिवार को उपनगरीय बांद्रा में तीन हमलावरों ने बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुंबई पुलिस ने हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह (23) और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप (19) को गिरफ्तार किया था, जबकि गोलीबारी के दौरान मौके पर मौजूद उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को अपराध शाखा की टीम ने अदालत में पेश किया, जहां धर्मराज कश्यप के वकील ने दावा किया कि वह नाबालिग है।

अधिकारी ने बताया कि अदालत ने रविवार को कश्यप का अस्थिकरण परीक्षण कराने का आदेश दिया, जिसमें यह साबित हुआ कि वह नाबालिग नहीं है। उन्होंने बताया कि उसे अदालत में पेश किया गया और 21 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच देर शाम हुए घटनाक्रम में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने पुणे से 28 वर्षीय प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया है। वह निर्मल नगर फायरिंग मामले में शामिल शुभम लोनकर का भाई है। अधिकारी ने बताया कि दोनों भाइयों ने सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची थी और इस साजिश में कश्यप और शिवकुमार गौतम को शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसी) नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को मुंबई के वीवीआईपी इलाकों में शुमार बांद्रा में शनिवार रात करीब 9 बजे गोली मारी गई थी। लीलावली अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें रात 11.27 बजे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दल सरकारी इंतजाम और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। बाबा सिद्दीकी को दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद इस तरीके से गोलियों से भूने जाने की घटना से बॉलीवुड सितारे भी सकते हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

बॉक्स ऑफिस पर पस्त हुई जिगरा, विक्की विद्या, वेट्टैयन और देवरा पार्ट वन ने भी टेके घुटने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में एक के बाद एक फिल्मों का आना जारी है। हालांकि, इनमें से कुछ ही फिल्में दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ पा रही है। साल 2024 में अब तक कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। तो वहीं कुछ छोटे बजट की फिल्मों ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए है। वहीं, सिनेमाघरों में लगी हुई हालिया रिलीज बॉलीवुड और साउथ फिल्मों का हाल बेहाल नजर आ रहा है। आइए आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा', राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', रजनीकांत-अमिताभ बच्चन की 'वेट्टैयन' और जूनियर एनटीआर जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा पार्ट वन' के लेटेस्ट बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर गौर फरमा लेते है-'जिगरा' में आलिया भट्ट का एक्शन अवतार देखने को मिला है। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना ने भी अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 4.55 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली 'जिगरा' ने अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में 22.45 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, मूवी ने रिलीज के आठवें दिन यानी शुक्रवार को 1.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह आलिया की फिल्म का अब तक का कुल कारोबार 23.60 करोड़ रुपये ही रहा है। 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस आंकड़े निराश करने वाले है। फिल्म की कमाई के ये आंकड़े साल 2019 में आई 'राजी' से भी काफी कम है। राजकुमार राव की

फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़े। हालांकि, उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' दर्शकों का दिल जीतने से चूक गई है। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर 5 करोड़ 25 लाख रुपये की ओपनिंग ली थी। फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में 27.00 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, आठवें दिन 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' ने 1.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिससे इसका टोटल 28.35 करोड़ रुपये हो गया है। रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, फहद फाजिल और राणा दग्गुबाती जैसे सितारों से सजी फिल्म 'वेट्टैयन' का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार था। हालांकि, फिल्म रिलीज के बाद कमाल दिखाने में सफल नहीं रही। 'वेट्टैयन' ने अपनी रिलीज के आठ दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 122.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने रिलीजके नौवे दिन अपने खाते में 2.65 करोड़ रुपये जोड़े। इस तरह 'वेट्टैयन' का अब तक का कुल कलेक्शन 124.80 करोड़ रुपये ही हो पाया है। जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर की 'देवरा पार्ट वन' रिलीज के चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। कलेक्शन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे निर्माताओं की चिंता बढ़ना लाजमी है। कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज के तीन हफ्ते में 280.60 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, 21वें दिन इसका कलेक्शन महज 1 करोड़ रुपये रहा। इस तरह 'देवरा पार्ट वन' का अब तक कुल कलेक्शन 281.60 करोड़ रुपये ही हो पाया है।

सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं 90 के दशक की ये अभिनेत्री, फिल्मों से ज्यादा बिजनेस में रखती हैं दिलचस्पी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के साथ ही बिजनेस पर ध्यान देने वाली अभिनेत्री जूही चावला का नाम भारत की सबसे अमीर अभिनेत्रियों की लिस्ट में पहले नंबर पर आया है। उनके साथ

आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, ऐश्वर्या राय और प्रियंका चोपड़ा का भी नाम शामिल है। भारत में बॉलीवुड की दुनिया और अभिनेताओं के बारे में जानने में लोगों को बहुत दिलचस्पी होती है। आज हम आपको बताएंगे एक ऐसी ही दिलचस्प खबर के बारे में। एक सर्वे में भारत की सबसे अमीर अभिनेत्री का नाम सामने आया है। इस बात को सुनकर आपने भी कयास लगाना तो शुरू कर ही दिया होगा। आइए तो आपको बताते है भारत की सबसे अमीर महिला अभिनेत्री का नाम।भारत की सबसे अमीर अभिनेत्री को लेकर एक लिस्ट में खुलासा हुआ है। हुरुन रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक भारत की सबसे अमीर महिला कोई और नहीं बल्कि जूही चावला हैं। अभिनेत्री जूही चावला के पास कुल 4600 करोड़ की संपत्ति है। ये उनके साथी और जूनियर अभिनेत्रियों से कहीं ज्यादा है। जूही कई सारे बिजनेस में भी इन्वेस्ट करती हैं। भारत की सबसे अमीर अभिनेत्रियों में ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण का नाम शामिल है। हुरुन रिच लिस्ट 2024 की लिस्ट के मुताबिक दूसरे स्थान पर ऐश्वर्या राय बच्चन कुल 850 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। इसके साथ ही तीसरे स्थान पर प्रियंका चोपड़ा अपनी कंपनी और हॉलीवुड फिल्मों की बदौलत करीब 650 करोड़ रुपये की मालकिन हैं। चौथे स्थान पर आलिया भट्ट का नाम शामिल है। आलिया कुल 550 करोड़ रुपये की मालकिन हैं।

सलमान को मिली धमकियों पर बोले सलीम खान, 'माफी मांगने का कोई कारण नहीं, हमने कॉकरोच भी नहीं मारा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लगातार बिशनेई गैंग की ओर से मिल रही धमकियों पर अब उनके पिता सलीम खान ने

अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि सलमान को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है, हमने एक कॉकरोच को भी नहीं मारा है। अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान ने लॉरेंस बिशनेई गैंग की ओर से मिल रही धमकियों पर अपना बयान जारी किया है। सलीम खान ने कहा कि सलमान खान को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है क्योंकि उसने आज तक एक कॉकरोच भी नहीं मारा। सलीम खान ने कहा, धमकी केवल जबरन वसूली का मामला है। पिछले साल से सलमान खान को हत्या की धमकी मिल रही है। खासतौर पर बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद से परिस्थिति अब और भी खराब हो चुकी है।एक इंटरव्यू के दौरान सलीम खान ने कहा, माफी मांगना, ये मानना है कि मैंने मारा है। सलमान ने कभी किसी जानवर को नहीं मारा। हमने कभी किसी कॉकरोच को नहीं मारा। हम इन चीजों पर विश्वास नहीं करते हैं। सलीम खान ने सवाल किया, सलमान खान जाकर माफी मांगे? आपने कितने लोगों से माफी मांगी है? कितने जानवरों की आपने जान बचाई सलीम खान अपने बेटे के पक्ष में बोलने के लिए सामने आए और उन्होंने कहा कि सलमान ने कोई क्राइम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कोई गुनाह किया है? आपने देखा है? आपको मालूम है, जांच पड़ताल की है? हमने तो कभी बंदूक भी यूज नहीं की। सलीम खान ने कहा, सलमान ने कहा मैं तो था भी नहीं उस समय, उसको नहीं शौक जानवर मारने का, वो जानवर से मोहब्बत करता है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और अजित पवार वाली एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर की रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार तीन शूटरों ने उनकी हत्या की थी।

तेलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में होगा 'पायर' का वर्ल्ड प्रीमियर, विनोद कापड़ी ने जाहिर की खुशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता विनोद कापड़ी की नई फिल्म 'पायर' का विश्व प्रीमियर प्रतिष्ठित तेलिन ब्लैक नाइट्स

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 28वें संस्करण में होगा। यह इस साल आधिकारिक प्रतियोगिता श्रेणी में एकमात्र भारतीय फिल्म है। उत्तराखंड में हिमालय की पृष्ठभूमि पर आधारित 'पायर' 80 साल के एक बुजुर्ग जोड़े की अनोखी, दिल दहला देने वाली प्रेम कहानी बताती है। दिलचस्प बात यह है कि विनोद कापड़ी ने दो बुजुर्ग स्थानीय लोगों, पदम सिंह और हीरा देवी को मुख्य कलाकार के रूप में लिया, जिनमें से किसी ने भी पहले कभी कैमरा या फिल्म नहीं देखी थी। पदम सिंह और हीरा देवी दोनों उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के बेरीनाग तहसील के रहने वाले है। पदम सिंह एक सेवानिवृत्त भारतीय सेना के जवान है, जो अब एक किसान के रूप में काम करते है, जबकि हीरा देवी भैंसों की देखभाल करती है और जंगल से लकड़ियां और घास इकट्ठा करती है। एक पहलू यह है कि रफ कट देखने के बाद अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार माइकल डैना ने तुरंत फिल्म के लिए संगीत बनाने के लिए हामी भर दी। माइकल ने 2012 में लाइफ ऑफ पाई के लिए ऑस्कर जीता था। एक और शानदार सहयोगी, जिसने रफ कट देखने के बाद फिल्म के लिए दृढ़ता से महसूस किया, वह बहु-पुरस्कार विजेता जर्मन संपादक पेट्रीसिया रोमेल है। उन्होंने बर्लिन में फिल्म का संपादन किया। पेट्रीसिया ने द टूरिस्ट, द लाइव्स ऑफ अदर्स जैसी फिल्मों का संपादन किया, जिसने 2006 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म का अकादमी पुरस्कार जीता।

पिंक' देखने के बाद सुनिधि चौहान ने विजय वर्मा से कही थी ऐसी बात, बोलीं- 'आप मेरे पास मत आइए'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता विजय वर्मा ने हाल ही में एक स्क्रीनिंग के दौरान बताया कि कैसे पिंक फिल्म देखने

के बाद सुनिधि चौहान ने उनसे दूर रहने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि नेगेटिव किरदार करने के कारण महिलाएं उनसे डरती हैं। विजय वर्मा को उनके विलेन के किरदार के लिए जाना जाता है। विजय वर्मा ने अपने किरदारों को लेकर की गई बात में बताया कि उनके निगेटिव करिदारों के कारण महिलाएं उनसे डरती हैं। गायिका सुनिधि चौहान ने विजय को 'पिंक' में देखकर कहा कि आप मुझसे दूर ही रहें। मुंबई में एक फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान विजय ने बताया कि उनके नेगेटिव किरदार का उन पर बहुत प्रभाव पड़ा है। लोग उनके नेगेटिव किरदारों के कारण उन्हें पसंद नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि पिंक फिल्म में भी उन्होंने नेगेटिव किरदार निभाया था। उनके किरदार महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते हैं, इस कारण रियल लाइफ में महिलाएं उनसे डरती हैं। कई सारी खूबसूरत लड़कियों और उनकी माताओं ने मुझसे कहा कि वह मुझसे डरती हैं। इससे मैं परेशान होता हूं। मेरे ये किरदार पिंक फिल्म से ही शुरू हुए। फिल्म में विजय का किरदार बहुत ही छोटा था। हालांकि, इस किरदार का प्रभाव लोगों पर बहुत अलग सा पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सभी महिलाएं उनसे डर रही थीं, इसी दौरान सुनिधि चौहान को भी बुलाया गया था। विजय वर्मा ने कहा कि इस फिल्म को देखने के बाद उनकी आंखों में भी आंसू आ गए थे। उन्होंने कहा, मैं सुनिधि से बात करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उन्होंने मुझसे कहा, 'आप मेरे पास मत आइए, मुझे आपसे डर लगता है'। उस समय मुझे लगा, 'ये क्या हुआ'। इसके बाद निर्देशक उन्हें अपने साथ ले गए और उन्होंने फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ की थी। इसके बाद विजय ने फिल्म में अपने किरदारों को लेकर कुछ बदलाव भी किए।

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने वेस्टर्न लुक में ढाया कहर, इन सितारों ने भी दर्ज कराई मौजूदगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा की प्रोडक्शन फिल्म 'पानी' रिलीज हो चुकी है। इस मराठी ड्रामा का निर्देशन अदिनाथ एम कोठारे ने किया है, जो

इस फिल्म में मुख्य भूमिका में भी है। फिल्म में आदिनाश समेत रुचा वैद्य, सुबोध भावे, राजित कपूर, किशोर कदम, नितिन दीक्षित, सचिन गोस्वामी, मोहनबाई, श्रीपद जोशी और विकास पांडुरंग पाटिल भी प्रमुख भूमिकाओं में है। बीती रात मुंबई में 'पानी' की भव्य स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें देसी गर्ल परिवार के साथ शिरकत करती नजर आई। इसके अलावा फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या और महेश मांजरेकर समेत अन्य फिल्मी हस्तियों को भी इवेंट का हिस्सा बन चार चांद लगाते देखा गया। 'पानी' की स्क्रीनिंग में प्रियंका चोपड़ा ने एक चमकदार बेज रंग का गाउन पहनकर सारी लाइमलाइट चुरा ली। उन्होंने अपने आउटफिट को डायमंड इन्यरिंग, स्टेटमेंट ब्रेसलेट और सिल्वर हाई हील्स के साथ स्टाइल किया था। डीवा ने अपने लुक को ग्लैम मेकअप और एक स्लीक बन के साथ पूरा किया, जिसमें कुछ स्ट्रैंड्स ने उनके चेहरे को पूरी तरह से फ्रेम किया था। स्क्रीनिंग के दौरान प्रियंका अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और मां मधु चोपड़ा के साथ नजर आईं। उन्होंने अनुषा दांडेकर और उनके कथित प्रेमी भूषण प्रधान, अमृता खानविलकर, पीसी की चचेरी बहन और अभिनेत्री मननरा चोपड़ा के साथ-साथ फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ कई मशहूर हस्तियों के साथ तस्वीरें क्लिक कराईं। 'पानी' की स्क्रीनिंग में अभिनेत्री अनुषा दांडेकर का भी अंदाज देखते ही बना। अभिनेत्री रेड कार्पेट पर अपने कथित प्रेमी भूषण प्रधान के साथ नजर आईं। कथित जोड़े ने चेहरे पर स्माइल के साथ पैपराजी के कैमरों के लिए पोज दिए। इवेंट में प्रियंका चोपड़ा की चचेरी बहन और अभिनेत्री मननरा चोपड़ा का भी अंदाज देखते ही बना। मननरा नीले रंग के सलवार-सूट में हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लगीं। मननरा ने पर्ल इन्यरिंग के साथ अपने आउटफिट को स्टाइल किया। साथ ही सटल मेकअप में वह ग्लो करती नजर आईं। रेड कार्पेट पर फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर ने स्टाइलिश एंट्री ली। उन्होंने ब्लैक शर्ट और व्हाइट पैंट में स्वैग भरे पोज दिए। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या और 'पानी' फिल्म की स्टारकास्ट के साथ भी तस्वीरें क्लिक कराईं।

फिल्मों में ही नहीं नेट वर्थ में भी सनी पाजी ने काटा है गदर, अरबों के मालिक हैं अभिनेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सनी देओल बॉलीवुड की दुनिया के वो सितारे हैं, जो दर्शकों के दिल पर बिना किसी शर्त के राज

करते हैं। शानदार अभिनय की बात की जाए या दमदार आवाज की या फिर बॉडी बिल्डिंग की, इन सभी में सनी देओल नंबर एक पर आते हैं। सनी देओल की फिल्में जब सिनेमाघरों में लगती हैं, तो उनकी कड़कती आवाज से थिएटर तक हिल जाता है। पर्दे पर 'एंग्री मैन' की छवि वाले सनी देओल आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। आइए इस 'ढाई किलो' के हाथ वाले अभिनेता की नेट वर्थ पर एक नजर डालते हैं। सनी देओल का अपना एक अलग फैन बेस है। पिछले साल उनकी फिल्म 'गदर 2' ने शानदार सफलता हासिल की। अभिनेता ने शुरू से ही फिल्मी पर्दे पर अपनी एक एंग्री मैन वाली छवि बनाई और खलनायकों की छुट्टी की। सिर्फ पर्दे पर ही नहीं उनकी कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर भी धमाका किया।सनी देओल उस परिवार से आते है, जो अभिनय की दुनिया से ताल्लुक रखा है। उनके भाई बॉबी देओल और पिता धर्मेंद्र दिग्गज अभिनेता है। कहा जाता है कि सनी देओल अपनी फिल्मों के लिए मोटी रकम वसूलते हैं। सुपर हिट फिल्में देने वाले अभिनेता रिपोर्ट्स के मुताबिक एक फिल्म के लिए करोड़ों चार्ज करते हैं, कहा तो यह भी जाता है कि वह फिल्म में होने वाले मुनाफे में हिस्सेदारी लेते हैं। बता दें कि सनी केवल एक अभिनेता ही नहीं है, वह एक बिजनेस मैन भी हैं और सांसद भी रह चुके हैं। इससे यह पता चलता है कि ना सिर्फ फिल्मों से बल्कि अभिनेता के पास उनके बिजनेस से भी पैसे आते हैं।

राज कपूर की सबसे प्रिय पोती थीं करिश्मा कपूर, वजह जानकर आप भी हो जाएंगे हैरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में बताया कि वह राज कपूर की पसंदीदा पोती थीं। करीना कपूर ने अपनी बहन के राज कपूर के करीब होने की वजह भी बताई, इसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगें। करिश्मा कपूर और

करीना कपूर हाल ही में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' शो में पहुंची थीं। इस शो के दौरान कपूर सिस्टर्स ने अपने दादा जी यानी राज कपूर को लेकर कपिल शर्मा से बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अभिनेत्री करिश्मा अपने दादा जी यानी अभिनेता राज कपूर की सबसे फेवरेट थीं।करिश्मा कपूर से बातचीत के दौरान कपिल शर्मा ने पूछा कि आप दोनों में से अपने दादा जी का सबसे फेवरेट बच्चा कौन था। तब करीना ने कहा कि करिश्मा। कारण था कि वह परिवार की सबसे पहली बच्ची थीं। साथ ही उनकी आंखे दादा जी की आंखों के रंग से मिलती थीं। राज कपूर के बाद करिश्मा फिर तैमूर और अब राहा हम तीनों की आंखें नीली हैं। शो के दौरान करीना ने करिश्मा को लेकर कई खुलासे किए थे। उन्होंने बताया कि करिश्मा को तैयार होने में काफी समय लग जाता है, जिसके कारण वह बहुत परेशान हो जाती है। करिश्मा की ये आदत करीना को बिल्कुल पसंद नहीं है। वहीं, शो के दौरान दोनों बहनों ने सैफ अली खान को लेकर भी कई सारी बातें की थीं। बता दें कि अभिनेत्री करिश्मा कपूर नेटफ्लिक्स के शो 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं, इन दिनों रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर को भी जज कर रही हैं। वहीं, करीना कपूर द बकिंघम मर्डर्स में नजर आई थीं। करीना कपूर अब रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम रिटर्न्स' में नजर आएंगी। फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी। इस फिल्म में करीना के अलावा अजय देवगन, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर नजर आएंगे।

थैंक्सगिविंग डे पर सबसे बड़ी ओपनिंग लेगी 'मोआना 2', पांच दिन में करेगी 100 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मोआना 2' को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह थैंक्सगिविंग पर अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनेगी और पांच दिन में 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर सकती है। डिजने की 'मोआना 2' आज सुबह लॉन्ग-लीड ट्रैकिंग पर उतरी। बुधवार से रविवार तक इसकी ओपनिंग 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा और शुक्रवार से रविवार के दौरान 75 मिलियन डॉलर से लेकर 82 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई होने की उम्मीद है। 2016 में 'मोआना' के पहले भाग ने पांच दिनों में 82 मिलियन डॉलर की ओपनिंग की थी और अमेरिका में 248.7 मिलियन डॉलर की कमाई की थी।

यदि 'मोआना 2' की यह अनुमानित कमाई सही निकली तो यह डिजने के लिए एक शानदार वापसी होगी, जिसने आमतौर पर ऑल-मास एनिमेटेड फिल्म के साथ थैंक्सगिविंग डे स्ट्रेच पर कब्जा कर लिया है। हालांकि, 2019 के 'फ्रोजन 2' के बाद से कोई बड़ी सफलता नहीं देखी। इस फिल्म ने 125 मिलियन डॉलर की कमाई की थी, जो यूएस में थैंक्सगिविंग डे पर किसी भी फिल्म के लिए सबसे बड़ी कमाई थी। इसके अलावा 100 मिलियन डॉलर से अधिक पर यह थैंक्सगिविंग से पहले बुधवार को किसी फिल्म के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग होगी, इससे पहले यह रिकॉर्ड डिजनी की 2013 की 'फ्रोजन' के नाम था, जिसने 93.5 मिलियन डॉलर की कमाई की थी।

सम्पादकीय

क्या नीतीश रेड्डी के रूप में भारत को मिला एक और 'हार्दिक पांड्या'

साल 2023 में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद में नीतीश को बेस प्राइस 20 लाख रुपए में एक्शन में लिया। साल 2024 में नीतीश ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 64 रन और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 74 रन बनाकर सनराइजर्स हैदराबाद की जीत में अहम भूमिका अदा की। क्या भारत को एक और हार्दिक पांड्या मिल गया है? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि जिस तरह की शुरुआत नीतीश कुमार रेड्डी ने अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में की है, उससे साफ दिख रहा है कि टीम इंडिया को एक और होनहार ऑलराउंडर

मिल चुका है। नीतीश ने दिल्ली में बांग्लादेश के खिलाफ अपने दूसरे ही टी-20 मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसे शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता। नीतीश अभी मात्र 21 साल के हैं। उनकी बॉलिंग और बैटिंग देखकर स्पष्ट दिख रहा है, यह लंबी रेस का खिलाड़ी है। 26 मई 2003 को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में नीतीश का जन्म हुआ। उनके पिता हिंदुस्तान जिंक कंपनी में काम करते थे। मात्र 5 साल की उम्र में नीतीश ने प्लास्टिक बैट से क्रिकेट खेलने प्रारंभ कर दिया था। वो अक्सर हिंदुस्तान जिंक के ग्राउंड पर सीनियर खिलाड़ियों के खेल को देखने चले जाते थे। पिता ने बचपन में ही बेटे की प्रतिभा को पहचाना। जब पिता का उदयपुर (राजस्थान) में हिंदुस्तान जिंक में ट्रांसफर हुआ तो लगा कि नीतीश की ट्रेनिंग कहीं रुक न जाए। पिता ने नौकरी ही छोड़ दी और बेटे को क्रिकेटर बनने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।नीतीश के शुरुआती कोच कुमारास्वामी, कृष्ण राव और वाटेकर रहे। हालांकि, नीतीश के क्रिकेटिंग करियर में तब बड़ा टर्न आया, जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सिलेक्टर एम.एस.के. प्रसाद में उन्हें अंडर-12 और अंडर-14 के ग्रुप मैचों में खेलते देखा। प्रसाद ने नीतीश को आंध्र प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन अकादमी में कोचिंग के लिए बुला लिया। यहां उन्हें मधुसुधाना रेड्डी और श्रीनिवास राव ने कोचिंग दी। नीतीश तब चर्चाओं में आए, जब उन्होंने 2017-18 के सीजन में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में नागालैंड के खिलाफ 345 गेंदों पर 441 रन की पारी खेली। इस सीजन में नीतीश ने न केवल 1237 रन बनाए, बल्कि 26 विकेट भी लिए। उन्हें बीसीसीआई ने बेस्ट क्रिकेटर अंडर-16 का जगमोहन डालमिया अवॉर्ड दिया। यह अवॉर्ड पाने वाले आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन के नीतीश पहले खिलाड़ी बने। साल 2023 में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद में नीतीश को बेस प्राइस 20 लाख रुपए में एक्शन में लिया। साल 2024 में नीतीश ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 64 रन और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 74 रन बनाकर सनराइजर्स हैदराबाद की जीत में अहम भूमिका अदा की। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के टी-20 से संन्यास के बाद टीम में थोड़ी जगह खाली हुई। प्रतिभावान नीतीश को सिलेक्टर्स ने मौका दे दिया। बांग्लादेश के खिलाफ अपने पहले मैच में नीतीश ने नाबाद 16 रन बनाए। हालांकि, उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन दिल्ली में नीतीश ने 34 गेंदों पर 74 रन की आतिशी पारी खेली, जिसमें 7 छक्के और 4 चौक के शामिल थे। गेंद से भी नीतीश ने कमाल किया और मात्र 23 रन देकर दो विकेट लिए। हालांकि, तीसरे टी-20 में बैटिंग का मौका नहीं मिला, जब वो क्रीज पर आए तो 3 गेंद ही मैच की बची थीं। गेंदबाजी में जरूर नीतीश ने एक विकेट लिया। टीम इंडिया में अच्छे ऑलराउंडर्स की कमी हमेशा से रही है, लेकिन नीतीश ने जिस अंदाज में शुरुआत की है तो लग रहा है कि टीम इंडिया को हार्दिक पांड्या के बाद एक और अच्छा ऑलराउंडर मिल गया है, जो न केवल बल्ले से धुआंधार बैटिंग करता है, बल्कि मीडियम पेस गेंदबाजी से विकेट लेने की क्षमता भी रखता है। नीतीश को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ट्रैवलिंग रिजर्व में शामिल किया गया है।

हान कान्ग को नोबेल पुरस्कार

1901 से 2024 तक साहित्य का नोबेल पुरस्कार 117 बार दिया गया है और यह 121 रचनाकारों को प्राप्त हुआ है। इस सदी में स्त्री लेखन ने नोबेल समिति का ध्यान खासतौर पर खींचा है। 10 अक्तूबर 2024 को नोबेल समिति की साहित्य पुरस्कार विजेता की घोषणा सुन कर हान कान्ग पर उपन्यासकार इमर मैक्ब्रिड की प्रतिक्रिया थी, 'एक महान जीवित रचनाकार, वे स्त्रियों, सत्य और सबसे बढ़कर साहित्य शक्ति जो कर सकती है उसकी आवाज है।' उन्होंने कुछ शब्दों में हान कान्ग के लेखन की तमाम विशेषताओं को गिना दिया

है। सच में इस साल यह पुरस्कार उपयुक्त रचनाकार को मिला है। 1901 से 2024 तक साहित्य का नोबेल पुरस्कार 117 बार दिया गया है और यह 121 रचनाकारों को प्राप्त हुआ है। कई बार दो लोगों को एक साथ नोबेल पुरस्कार दिया गया है। इसमें से कई स्त्री रचनाकार रही हैं। इस सदी में स्त्री लेखन ने नोबेल समिति का ध्यान खासतौर पर खींचा है। मात्र 24 सालों में नौ स्त्री रचनाकारों को यह प्राप्त हुआ है, जबकि पूरी पिछली सदी में केवल नौ को मिला था।इस सदी में आगे स्त्री रचनाकारों के लिए संभावना दिख रही है। हान कान्ग इंटरनेशनल बुकर और नोबेल पाने वाली दक्षिण कोरिया की पहली महिला रचनाकार हैं। स्त्री जीवन के आसपास कथानक बुनने वाली दक्षिण कोरिया में 27 नवम्बर 1970 को जन्मीं हान कान्ग के लिए नोबेल समिति ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है, 'उनका गहन काव्यात्मक गद्य ऐतिहासिक हादसों का सामना करता है, मनुष्य जीवन-भंगुरता को उजागर करता है।' समिति की घोषणा में हान कान्ग की किताब 'द वेजीटेरियन', 'द व्हाइट बुक', 'हुमन एक्ट्स', 'ग्रीक लेसन्स' आदि का उल्लेख किया गया है। दस साल की उम्र से सियोल में रह रही हान कान्ग ने सियोल के योन्से विश्वविद्यालय से कोरियन साहित्य में शिक्षा ग्रहण की है। जब जेनी राइडेन ने उनसे नोबेल की रस्मी टेलीफोनिक वार्ता की, वे अपने बेटे के साथ रात का खाना खा कर उठी थीं। उन्होंने एक सामान्य दिन बिताया था, इस घोषणा से वे चकित और प्रसन्न थीं। वे दिसम्बर में होने वाले नोबेल पुरस्कार समारोह में उपस्थित रहेंगी।अब उनके नोबेल भाषण का इंतजार है। वार्तालाप में उन्होंने बताया, बचपन में उन्होंने स्वीडिस लेखिका एस्ट्राइड लिंगरडेन का 'लायनहार्ट ब्रदर्स' पढ़ा था, इससे प्रभावित हुई थीं, मगर उन्हें पढ़े हुए तमाम अन्य लेखकों से प्रेरणा मिली है।वे आशा करती है कि नए पाठक उन्हें पढ़ेंगे और उनके पाठक, मित्र और अन्य लेखकों को उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलने की खबर अच्छी लगेगी। वाकई बहुत अच्छी लगी, जिसका प्रमाण है, घोषणा के तत्काल बाद मिलने वाली बधाइयां और टिप्पणियां।विरासत (उनके पिता हान संग वन कोरियाई साहित्य में एक सम्मानित नाम हैं, बड़े भाई भी लेखक हैं।) में साहित्य पाने वाली हान कान्ग अन्य लेखकों से बिल्कुल भिन्न तरह से सोचती, अनुभव करती और लिखती हैं। कविताओं से प्रारंभ करने वाली हान के लगभग सब उपन्यास, लघु उपन्यास, लेख, कहानियां व्यथा, पितृसत्ता, अत्याचार, मानवता आदि के कथानक के इर्द-गिर्द घूमते हैं।2016 का इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार प्राप्त उनका उपन्यास 'वेजीटेरियन' (डेबोराह स्मिथ द्वारा इंग्लिश में अनुवादित) उनकी अंतरराष्ट्रीय साहित्य-जगत में ख्याति का बायस बना। कोरिया के अधिकांश लोग मांसाहारी हैं, भिन्न जीवन पद्धति उनका यह उपन्यास समाज की अनमनीय पितृसत्तात्मक संरचना, व्यवहार की अपेक्षाओं तथा संस्थानों की कार्य पद्धति को असफल होता दिखाता है। उपन्यास पर 'वेजीटेरियन' नाम ही से फिल्म भी बनी है। उनके कार्य 'स्कार्स' पर भी एक फिल्म बनी है।हालांकि 'विजीटेरियन' के अनुवाद की आलोचना हुई थी, द गाडिन्यन तथा कई अन्य पत्रिकाओं ने इस अनुवाद को खारिज कर दिया था। मगर उस साल के इंटरनेशनल बुकर निर्णायकों के चेयरपर्सन बॉयड टोन्किन ने करीब आठ साल बाद लिखा है, 'एक निम्न कोरियन लेखक को चुनने की हमारी पसंद का मीडिया ने मजाक उड़ाया, मगर पाठकों ने उसे भरपूर प्यार दिया।' आगे उन्होंने लिखा, 'इस अनोखे विजन और आवाज को बहुत और लोग खोजेंगे।"द वेजीटेरियन' उनकी कहानी 'द फ्रूट ऑफ माई वुमन' का विस्तार है। इस कहानी और उपन्यास के सूत्र उन्हें कोरियाई रचनाकार यी सान्ग के शब्दों में- 'मेरा मानना है कि मनुष्य को एक पौधा बन जाना चाहिए' - से मिले थे। अब नोबेल मिलने के बाद टोन्किन की कही बात का महत्व बढ़ जाता है।किताबों के साहचर्य में सहजता अनुभव करने वाली, जॉर्ज लुई बोर्खेज, प्रीमो लेवाई, अरुणधती राय, केल्विनो आदि को पढ़ने वाली का संस्मरणात्मक उपन्यास 'द व्हाइट बुक' उनके जीवनानुभवों से जुड़ा है, जहां वे बचपन, परिवार, समाज की बात करती हैं।नवीनतम उपन्यास 'वी शुड नॉट पार्ट 'ह्यूमन एक्ट्स' मई 1980 में हुए ग्वान्जू नरसंहार के विषय में है, जिसमें सेना क्रूरतापूर्ण अत्याचार के शिकार लोगों की बात छः लोगों के नजरिए को प्रस्तुत की गई है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई शिक्षा नीति के सामने खड़ी चुनौतियां

सन् 1871 में जॉन रस्किन मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक पत्रिका निकलते थे। इस पत्रिका की तारीफ टालस्टाय ने भी किया था और बाद में महात्मा गांधी ने भी इस पत्रिका को खोजकर पढ़ा था। रस्किन की राय है कि वही शिक्षा लेनी चाहिए और वही शिक्षा दरअसल शिक्षा है- जो आत्मा का ज्ञान करावें। मनुष्य मात्र को बचपन से यह जानना चाहिए कि साफ हवा, स्वच्छ पानी और साफ-सुथरी मिट्टी किसे कहते है। इन्हें किस तरह रखा जाए और कैसे उपयोग किया जाए? यह बुनियादी सवाल है। दरअसल, इस मुद्दे पर हर दौर में चर्चा होनी चाहिए। हमें सबक लेना चाहिए कि औद्योगिक विकास के अब तक दौर में हमने इन प्रकृतिक धरोहरों के साथ किस तरह का व्यवहार किया है? शिक्षा के विषय में बौध दर्शन के विद्वान् आचार्य रिनपोछे सवाल करते है कि- क्या हमारी मौजूद शिक्षा व्यवस्था में -प्रज्ञा शील और समाधि के लिए कोई स्थान है ? मतलब विवेक, नैतिकता और संसार के बन्धनों से मुक्ति के उपायों की कोई गुंजाइश आज की शिक्षा से हम प्राप्त कर सकते है यह सवाल इस लिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि एक ऐसे समय में हर चीज की कीमत लगाई जा रही है, उसे पण्य वस्तु मानकर खरीद-फरोख्त के लिए अवसरों की तलाश की जा रही है। तब शिक्षा के क्षेत्र में भी यही फॉर्मूला अपनाया रहा हो, तो इसमें कोई अचरज की बात नहीं। एक अनुमान के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सन् 2035 तक हम विभिन्न क्षेत्रों से अपनी अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर योगदान की सम्भावना तलाशने में लगे हैं। इनमें स्कूलों-कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था से लेकर वित्तीय संस्थानों, बैंकिंग, सरकारी कामकाज, और 'आटोमेशन' की वजह हर क्षेत्र में छंटनी और नौकरियों के सेलेक्सन की प्रक्रिया में भी बड़े बदलाव आने के संकेत मिल रहे हैं।सन् 2034 तक 'अलगोरिदम ' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' हर क्षेत्र में दुनिया को संचालित करने की स्थिति में आ जाएंगे। सवाल है कि तब हमारे स्कूल के उस 'दुखहरन मास्टर साहब' का क्या होगा, जिसकी चर्चा जन कवि नागार्जुन अपनी एक कविता में करते हैं और उस स्थिति से हमें रुबरु कराते हैं, जो आज भी हमारे गांवों की हकीकत है फटी भीत है छत चूती है, आले पर बिस्तुइय्या नाचे। बरसा कर बेबस बच्चों पर मिनट- मिनट में पांच तमाचे, इस तरह दुखहरन मास्टर गढ़ता है, आदमी के सांचे।। जब आदमी के गढ़ने के सांचे 'अलगोरिदम' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के हवाले होगा तो फिर 'दुखहरन मास्टर साहब' जैसों की सेवा तो समाप्त ही समझें। क्योंकि इस तकनीक को समझने के पहले उन जैसे मास्टर साहबों का दम निकल जाएगा। इस कृत्रिम बौद्धिक मशीन के जन्मदाता एलन ट्यूरिंग है। सन् 1950 में एलेन ट्यूरिंग ने एक ऐसा कम्प्यूटर प्रोग्राम तैयार किया जो आदमी की तरह सोच सकता था। सन् 1956 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिभाषा करते जॉन मैकार्थी कहते है कि- कृत्रिम बौद्धिकता बौद्धिक मशीन बनाने का एक विज्ञान

है। इसके जरिए हर तरह की सीखने की कला और बौद्धिक स्वरूप को मशीन के द्वारा क्रियान्वित किया जा सकता है।' इस तकनीक का शिक्षा के क्षेत्र में आने का तात्कालिक असर यह होगा की क्लास रूम में अब बौद्धिक आदान-प्रदान का माध्यम अध्यापक के अलावा 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' भी होगा,जो दूरस्थ शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव के साथ -साथ क्लासरूम के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल देगा। यह कृत्रिम बौद्धिक मशीन देर-सवेर भारत में भी शिक्षा का माध्यम तो बनेगी ही। पर सवाल है कि क्या गांवों में अभी उस तरह का 'इंफ्रास्ट्रक्चर' या ऐसी तकनीक से लैश प्राथमिक स्तर पर मास्टर साहब उपलब्ध हैं? हम तकनीकी विकास के हर क्षेत्र में नित नई उड़ान भर रहे हैं। उम्मीद करना चाहिए कि शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह पाएगा। दावा किया जा रहा है कि 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' भी अध्ययन के दौरान छात्रों के हर तरह की मुश्किलों को आसान करने का एक प्लेटफॉर्म होगा। यह हर छात्र के खूबियों और खामियों को डाटा की सटीक व्याख्या के जरिए समाधान करने का सक्षम है। यह किसी छात्र की पसंदीदा और नापसंदगी वाले 'टॉपिक' को समझाने और तदनुरूप उनकी वरीयताएं तय करने की योग्यता भी इसे प्राप्त है। इससे छात्रों को अपने विषय को समझने और अपनी अवधारणा स्पष्ट करने में भी आसानी होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मौजूदगी से भविष्य में ऐसे और कई चमत्कारिक परिवर्तन आने की सम्भावना है, जिनकी अभी तक कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। यह एक तरह से दुधारी तलवार वाली तकनीक है। इसलिए उन खतरों से वाकिफ होना भी उतना ही जरूरी है। विश्व विख्यात इतिहासकार युवाल नोआ हरारी अपनी हाल में प्रकाशित पुस्तक 'नेक्सस) चेतावनी दे रहे है कि- 'मनुष्यों के हाथ 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के रूप में सामूहिक संहार का एक हथियार हाथ लग गया है।' इस पुस्तक में युवाल नोआ हरारी ने पाषाण काल से लेकर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के युग तक मनुष्यों द्वारा सूचना के तैयार किए गये 'नेटवर्क ' उन्होंने अपने अब तक के अध्ययन और अनुभवों के जरिये अभिव्यक्त किया है।मानवीय सभ्यता के विकास में भाषा का प्रचलन शुरू होने के बाद सूचनाओं के आदान-प्रदान, बात-विचार और व्यवहार में आसानी तो हुई ही। संचार के दूसरे माध्यमों मसलन प्रिंट- रेडियो, वायरलेस- टेलीविजन -टेलीग्राफ, इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिये पलक झपकते सूचनाओं का एक स्थान से दुनिया के किसी हिस्से में सूचनाओं का पहुंचाना बेहद आसान हो गया है। ऐसी भविष्यवाणी 19वीं सदी के उत्तरार्ध में निकोला टेस्ला ने भी किया था कि -आने वाले समय में ' सिंगल विंडो सिस्टम' के जरिए किसी फाइल को दुनिया के छोर से दूसरे छोर पर भेजना संभव हो जाएगा। उनकी अधिकतर भविष्यवाणियों की तरह यह भविष्यवाणी भी आज की हकीकत है। मानवी सभ्यता ने भाषा के विकास के बाद बातचीत के जरिए भी कई संस्थाओं का विकास किया है। शिक्षा भी उन संस्थानों में एक है, जहां बातचीत के जरिए ही हम अपने विचार का आदान-प्रदान करते है। लोकतंत्र की संस्था भी बातचीत के जरिए ही मजबूत हुई है, और आगे बढ़ी है। आज सोशल मीडिया टेलीविजन और इंटरनेट हमारे विचारों को एक स्थान से दूसरे पर स्थान तक पहुंचाने के माध्यम है। इन माध्यमों से हम अपने विचारों से देश और दुनिया को अवगत कराते है। लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास में इन माध्यमों का उल्लेखनीय योगदान है। सवाल है कि अगर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'अलगोरिदम' ही भविष्य में हमारा भाग्य विधाता होने वाले है , तो हमारी बातचीत की प्रचलित परपाटी का क्या होगा क्या हम अपने विचारों से एक दूसरे को अवगत कराने और उनसे असहमत होने के अपने मौलिक अधिकार से-जो किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है, वंचित नहीं हो जाएंगे? ऐसी आशंका है कि भविष्य में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' बौद्धिक आदान- प्रदान में सबसे बड़ी बाधा उत्पन्न करेगा। हमारा दिमाग और हमारे सोच का तरीका एक 'कार्बनिक इन्टीटी' है और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' उस तरह की 'ऑर्गेनिक इन्टीटी' नहीं है। यह एक ऐसी 'इन्टीटी' है ,जो अनथक और अनवरत काम करता है। यह न सिर्फ हमारा ध्यान आकर्षित करता है, बल्कि अब तो यह हमारे जिन्दगी के एक -एक पल की निगरानी भी कर रहा है। इसलिए हमारी बातचीत के दायरे सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उनके व्यक्तिगत होने का भी अब दावा नहीं किया जा सकता है। एक तरह से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' हमारे विश्वास और बातचीत करने की योग्यता को भी खत्म कर रहा है। रही बात सूचनाओं की तो सूचनाएं हमेशा सत्य नहीं होती।युवाल नोआ हरारी कहते है कि सूचनाओं की तरह सत्य भी एक बेहद पेचीदा मसला है। इस अर्थ में अगर देखा जाए तो सत्य की तह तक पहुंचाना और सत्य का ज्ञान प्राप्त करना आज के युग में कितना कठिन होता जा रहा है।अब तक हम बात - विचार को, सुनने -गुनने को, विचारों के आदान-प्रदान के जरिये एक दूसरे से सीखते -सीखाते रहे हैं। अब अगर बातचीत की भी कोई गुंजाइश ही नहीं बचेगी, जैसा कि युवाल नोआ हरारी दावा कर रहे है। तब यह बेहद जरूरी है कि अभी से हम इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आने वाली पीढ़ी को तैयार करें।

विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा अब्दुल कलाम साहब

भारत के कलाम साहब यकीनन विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा के रूप में काबिज हैं। उनका सपना भारत को आत्मनिर्भर बनाने का था। जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा करने का प्रयास भी किया। वो एक बेहतरीन शिक्षक, श्रेष्ठ वैज्ञानिक, सादगी पसन्द जनता के राष्ट्रपति, एक आसाधारण व्यक्तित्व वाली शख्सियत के तौर पर विश्वविख्यात हैं। 21वीं सदी की बड़ी उपलब्धि भारत की लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था है। जो विश्व में अपनी बढ़त बनाने में कामयाब हो रही है। विकसित भारत के बुनियादी शिल्पकारों में से एक शिल्पी भारत के कलाम साहब भी हैं। जिन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनते हुए देखने का सपना संजोया था। वो भारतवर्ष के उन चुनिंदा सपूतों में से हैं जिन्होंने भारत को दुनिया के समक्ष सीमित साधनों के साथ कामयाबी का पर्याय बनाया। जिन्होंने असंभावनाओं को आने वाली सम्भावनाओं में तबदील किया। विरले ही होते हैं ऐसे लोग जो स्वयं से पूर्व राष्ट्र को रखते हैं। भारत की बेमिसाल शख़्सियत थे, भारत के अब्दुल कलाम साहब जिन्होंने भारत की युवा पीढ़ी को खुली आंखों से सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। वो स्वयं भी ऐसे ही सकारात्मक विचारों से ओत-पोत रहते थे। बचपन में पंक्षियों को आकाश में उड़ते देख आसमानों में परवाज़ होने की ख्वाहिश ने उन्हें संसार के क्षितिज पर परवाज करने का सफर तय कराया। भारत के कलाम साहब यकीनन विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा के रूप में काबिज हैं। उनका सपना भारत को आत्मनिर्भर बनाने का था। जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा करने का प्रयास भी किया। वो एक बेहतरीन शिक्षक, श्रेष्ठ वैज्ञानिक, सादगी पसन्द जनता के राष्ट्रपति, एक आसाधारण व्यक्तित्व वाली शख्सियत के तौर पर विश्वविख्यात हैं। बहुत कम व्यक्ति होते हैं जिन्हें लोगों के दिलों में शासन करने का मौका मिलता है। कलाम साहब उन महान शख्सियतों में से हैं जिन्हें समस्त हिन्दुस्तानियों ने अपने दिलों में बसाया। तमिलनाडु के रामेश्वरम् में जैनुलआबिदीन और आशिअम्मा के घर 15 अक्टूबर 1931 को कलाम साहब का जन्म हुआ। उनके पिता पेशे से एक नाविक और मां एक गृहिणी थीं। माता-पिता निहायत ही संजीदा और अमन पसन्द लोगों में शुमार थे। जिसका प्रभाव कलाम साहब पर दिखाई देता है। कलाम साहब का जन्म उस दौर में हुआ जब भारत स्वतंत्रता के संघर्षो में घिरा हुआ था। भारत गुलाम था। कलाम साहब का बचपन उस दौर की यादों से भी गुजरा जब भारत में साइंस और तकनीकी जादू की दुनिया से कम न थी। फिर भी उन्होंने अपने सपनों को सकारात्मकता की उड़ान दी। दुनिया को यह यकीन करने में मजबूर कर दिया कि वो दिन भी आएगा जब भारत विज्ञान और तकनीकी की दुनिया में पहली पंक्ति में खड़ा होकर दुनिया की आखों में आखें डाल विकास की उड़ान भरेगा। वो अकसर कहते थे, कि 'सपने वे नहीं होते, जो आपको रात में सोते समय नींद में आए बल्कि सपने वे होते हैं, जो रात में सोने ही न दें।' उनके सकारात्मक विचार भारत के युवाओं में जोश भरने का काम करते हैं। वो आज भी युवाओं के सबसे पसन्दीदा अध्यापक हैं। उनका छात्रों के साथ बेहद लगाव था। उनके जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका मानना था कि यदि किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं माता-पिता और अध्यापक सम्भवतः इसीलिए वो सबसे खुश एक अध्यापक के तौर पर नज़र आए। अपने जीवन के अन्तिम क्षण में भी वे शिलांग के छात्रों में उत्साह भरने का काम कर रहे थे। छात्रों और शिक्षा के प्रति डॉ. कलाम साहब के प्रयासों को सम्मान देने के लिए उनके 79वें जन्मदिवस पर संयुक्त राष्ट्र संगठन ने उनके जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। तब से निरन्तर दुनिया कलाम साहब के जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाती है। 27 जुलाई सन् 2015 को उनका शरीर भौतिक रूप से हमारे मध्य न रहा लेकिन आज भी प्रत्येक होनहार संघर्षशील छात्र के तरक्की पसन्द विचारों में कलाम साहब देखे जा सकते हैं। वे छात्रों के सबसे पसन्दीदा अध्यापक, मेण्टोर, मोटीवेटर के रूप में आज भी मौजूद हैं। विश्व छात्र दिवस का उददेश्य, दुनियाभर के छात्रों को शिक्षा के महत्व से परिचित कराना है ताकि शिक्षा के मौलिक अधिकारों की प्राप्ति हो सके। किसी भी देश के छात्र, उस देश के मेरूदण्ड से कम नहीं होते हैं। ऐसे में युवाओं के देश भारत में, तरक्की और कामयाबी की असंख्य संभावनाएं हैं। जरूरत उन्हें सही दिशा देने की है। आकाश की उड़ान भरने के लिए हवाई जहाज या अन्य साधनों से भी ज्यादा आवश्यक है हौसला। हौसलों की लम्बीं उड़ान दुनिया के आसमान में बादशाहत कायम करने में सक्षम है। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं जिनमें हम खुली आंखों के सपनों को पूरा होते हुए देख सकते हैं। कलाम साहब उसी हौसले की उड़ान से आसमान में परवाज करने की बातें छात्रों से दोहराते रहे। एम.आई.टी. में पढ़ाई के दौरान वो अकसर वहां रखे दो हवाई जहाजों के पास बैठ अपने सपनों को हकीकत में बदलने की ख्वाहिशों में अकसर तल्लीन रहते। इल्म हासिल करने को लेकर उनके विचार स्पष्ट थे। वो कहते थे इल्म बड़ा करामाती हथियार है। जिसका इल्म जितना ज्यादा होगा, उतना ही वह आजादी का हकदार होगा। भारत को मिशाइल टेक्नोलॉजी के हुनर में दुनिया के चन्द चुनिंदा देशों के बराबर खड़ा करने में डॉ. कलाम साहब का बड़ा योगदान है। अग्नि की सफल उड़ान से पूर्व डिफेंस मिनिस्टर ने उनसे सवाल किया कि आर्प अग्न की सफलता पर किस प्रकार से अपनी खुशी जाहिर करना चाहेंगे, तब उन्होंने कहा कि 'हम एक लाख पेड़ों की कोपलें लगाएगे।

स्पोर्ट्स

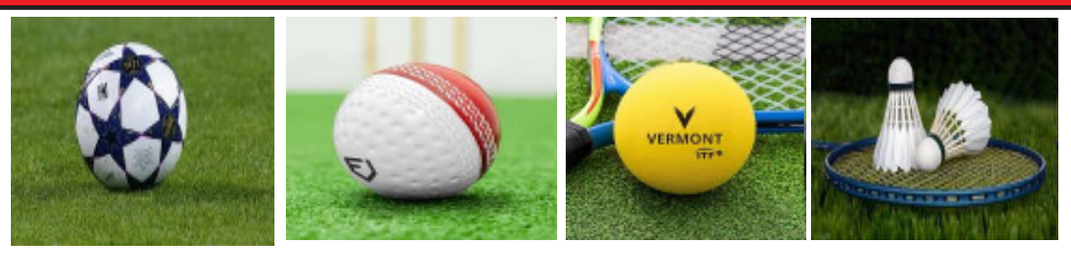

भारत के फाइनल में पहुंचने पर लाहौर नहीं करेगा खिताबी मैच की मेजबानी सामने आई बड़ी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में होना है, लेकिन भारत इसके लिए पाकिस्तान की यात्रा करेगा या नहीं, इस पर अभी कुछ तय नहीं हुआ है। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने को लेकर चल रहे खींचतान के बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला लाहौर में खेला जाना है, लेकिन अगर भारत इस टूर्नामेंट के खिताबी मैच में पहुंच जाता है तो यह मैच कहां खेला जाएगा इस पर भी चर्चा चल रही है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) किसी भी सूरत में फाइनल मैच को लाहौर से बाहर ले जाने के लिए तैयार नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है और भारत भी पड़ोसी देश की यात्रा नहीं करता है। दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एशिया कप जैसे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में एक दूसरे का सामना करती हैं। अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में होना है, लेकिन भारत इसके लिए पाकिस्तान की यात्रा करेगा या नहीं, इस पर अभी कुछ तय नहीं हुआ है। पीसीबी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आने से इनकार कर सकता है, लेकिन वह नौ मार्च को होने वाला फाइनल लाहौर से बाहर ले जाने के लिये तैयार नहीं है, भले ही भारत इसके लिए क्वालिफाई कर ले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड के सदस्यों की दुबई में होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का मसला भी उठ सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, पीसीबी की पहली पसंद और प्राथमिकता है कि पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही हो, लेकिन बोर्ड मानसिक तौर पर इसके लिए भी तैयार है कि भारत सरकार उनकी टीम को यहां नहीं भेजेगी और भारत के मैच यूएई में होंगे। पीसीबी चाहता है कि फाइनल लाहौर में ही हो। भारत फाइनल में पहुंचता भी है तो पीसीबी चाहेगा कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच हो। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने हाल में कहा था कि बोर्ड इस मामले में पूरी तरह से भारत सरकार के फैसले पर निर्भर है। उन्होंने कहा था, फिलहाल इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दौरे के लिए हमारी नीति रही है कि हम हमेशा सरकार की मंजूरी लेते हैं। इसका फैसला सरकार करती है कि हमारी टीम को किसी देश जाना है या नहीं। इस मामले में भी जो भी सरकार फैसले लेगी हम वैसा ही करेंगे। बीसीसीआई आईसीसी से चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान के बजाय श्रीलंका या दुबई में कराने की मांग कर सकता है। पिछले साल वनडे विश्व कप से पहले एशिया कप का आयोजन हाईब्रिड मॉडल के तहत हुआ था जिसमें भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।

वेस्टइंडीज को हराकर फाइनल में पहुंचा न्यूजीलैंड, अब खिताबी मैच में दक्षिण अफ्रीका से सामना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज जॉजिन्या प्लिमर ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज ने एक बार फिर गेंदबाजों के दम पर कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया और वेस्टइंडीज को सेमीफाइनल में हराकर महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा जिसने गुरुवार को पहले सेमीफाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2010 के बाद से न्यूजीलैंड की टीम ने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है।न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज जॉजिन्या प्लिमर ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से डियांड्रा डॉटिन ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी प्रभाव छोड़ा और 22 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 33 रनों की पारी खेली। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। न्यूजीलैंड की ओर से ईडन कार्सन ने तीन विकेट लिए, जबकि अमेलिया कैर को दो तथा फ्रान जोनास, लिया ताहुहू और सूजी बेट्स को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही थी और उसने 51 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। डॉटिन हालांकि, टिकी रहीं और उन्होंने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की कोशिश की। हालांकि, अमेलिया ने डॉटिन को आउट कर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। डॉटिन के अलावा वेस्टइंडीज का अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और उसका सफर सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का न्यूजीलैंड का फैसला गलत साबित हुआ और उसकी आधी टीम 98 के स्कोर पर पवेलियन लौट गई। न्यूजीलैंड के लिए जॉजिन्या प्लिमर और सूजी बेट्स के अलावा कोई बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। बेट्स ने 26 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के अंतिम मैच में भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे थे, लेकिन उस मैच में भी टीम ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की थी और सेमीफाइनल का टिकट कटाया था। एक बार फिर गेंदबाज ही न्यूजीलैंड टीम को मुश्किल से उबारने में सफल रहे। वेस्टइंडीज के लिए डॉटिन ने चार ओवर में 22 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि एफी फ्लेचर को दो विकेट मिले।

न्यूजीलैंड ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, पिछले 12 साल में भारत के खिलाफ ऐसा करने वाली पहली टीम बनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बंगलूरू में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया की पहली पारी 46 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद कीवी टीम ने शानदार बैटिंग करते हुए भारत पर 299 रन की लीड ले ली है। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। खबर लिखे जाने तक तीसरे दिन लंच तक न्यूजीलैंड ने सात विकेट गंवाकर 345 रन बना लिए हैं। रचिन रवींद्र ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा। वहीं, डेवोन कॉन्वे ने 91 रन की पारी खेली। दरअसल, न्यूजीलैंड की टीम 2012 के बाद से भारत के खिलाफ उसके घर में पहली पारी में 200 से ज्यादा रन की लीड लेने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले दिसंबर 2012 में इंग्लैंड ने कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में भारत पर पहली पारी में 207 रन की लीड ली थी। इंग्लैंड ने वह मैच सात रन से जीता था। तब भारत ने पहली पारी में 316 रन बनाए थे और जवाब में इंग्लिश टीम ने 523 रन बनाए थे। भारत की दूसरी पारी 247 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 41 रन बनाकर मैच जीत लिया था।वहीं, न्यूजीलैंड की टीम जनवरी 2012 के बाद से भारत के खिलाफ किसी भी टेस्ट मैच में पहली पारी में 200 से ज्यादा रन की लीड लेने वाली दूसरी टीम है। पिछली बार दिसंबर 2012 में कोलकाता में इंग्लैंड ने ही ऐसा किया था। इन दोनों के अलावा पिछले लगभग 13 साल में भारत के खिलाफ कहीं भी और किसी भी टेस्ट में पहली पारी में 200 से ज्यादा रन की लीड नहीं मिली थी।न्यूजीलैंड की टीम साल 2000 के बाद भारत में भारत के खिलाफ 200+ रन की लीड लेने वाली चौथी टीम है। इससे पहले तीन टेस्ट में से भारत को दो में हार का सामना करना पड़ा था। 2008 में दक्षिण अफ्रीका ने अहमदाबाद में 418 रन की लीड ली थी। यह टेस्ट भारत हार गया था। 2009 में श्रीलंका ने अहमदाबाद में 334 रन की बढ़त ली थी और भारतीय टीम वह मैच भी हार गई थी। इसके बाद 2012 में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। यानी भारत ने पिछले 24 साल में अपने घर में 200+ रन की लीड देने के बाद कभी टेस्ट नहीं जीता है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के कायल हुए वीवीएस लक्ष्मण, इस बात को लेकर जमकर की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हो गई थी। रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह स्वीकार किया था कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का उनका फैसला गलत था। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण कप्तान रोहित शर्मा से काफी प्रभावित हुए हैं और उन्होंने उनकी जमकर सराहना की है। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भारतीय टीम पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हो गई थी। रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह स्वीकार किया था कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का उनका फैसला गलत था। इस पर

लक्ष्मण ने कप्तानी की तारीफ की है। रोहित ने स्वीकार किया था कि उन्होंने एम चिननस्वामी स्टेडियम की पिच को भांपने में गलती की। उन्होंने यह भी कहा था कि कप्तान के सारे फैसले हमेशा सही नहीं हो सकते लक्ष्मण रोहित के इस कदम से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, कप्तान के लिए यह संभव नहीं है कि वह हमेशा सही फैसले ले। हमने टॉस जीता और बल्लेबाजी चुनी लेकिन हम 46 रन पर आउट हो गए। प्रेस कांफ्रेंस में कौन गया। रोहित शर्मा ही ना। उसने स्वीकार किया कि मैंने विकेट को पढ़ने में गलती की। कप्तान अपने फैसलों की जिम्मेदारी लेते हैं उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं कि हर बार फैसला सही ही हो। लेकिन आप जिम्मेदारी लेते हैं और जब टीम अच्छा नहीं करती तो आलोचना झेलते है। टीम अच्छा करती है तो आप उस खिलाड़ी को भेजते हैं जिसने अच्छा प्रदर्शन किया है। महान कप्तान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी करते हैं और रोहित शर्मा इसका उदाहरण है। उसने शानदार कप्तानी की है। उसने अपने खिलाड़ियों से कहा कि हमारी टीम को ऐसे खेलना चाहिए और वह निस्वार्थ पारियां खेलता आया है। बदले में उसके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता था लेकिन वह कहता है कि वह हर खिलाड़ी के साथ खड़ा है जो उस तरह से खेलता है जैसे कि वह टीम को खेलते देखना चाहता है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम पहली पारी में पूरी तरह विफल रहा था।

रचिन रवींद्र ने विराट कोहली के आउट होने पर दिया बयान, चिन्नास्वामी में अपनी पारी पर भी रखी राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर कोहली विकेटकीपर को कैच थमा बैठे और उनकी शानदार पारी का अंत हो गया। भारतीय टीम भले ही वापसी करने में सफल रही है, लेकिन अभी भी न्यूजीलैंड से 125 रन पीछे चल रही है। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र ने कहा कि विराट कोहली का तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक विकेट हासिल करना कीवी टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। 35 वर्षीय कोहली पहली पारी में शून्य पर आउट हुए थे, लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 70 रन बनाए और सरफराज खान के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी की। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर कोहली विकेटकीपर को कैच थमा बैठे और

उनकी शानदार पारी का अंत हो गया। भारतीय टीम भले ही वापसी करने में सफल रही है, लेकिन अभी भी न्यूजीलैंड से 125 रन पीछे चल रही है। रचिन का मानना है कि कीवी टीम के पास अभी भी जीत हासिल करने का अच्छा मौका है। रचिन ने दिन के खेल की समाप्ति के बाद कहा, 'कोहली का विकेट काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि वह दिग्गज खिलाड़ी है। स्कोरबोर्ड पर अभी भी काफी रन बचे है। हमें पता है कि दुनिया में ऐसी चीजें होती रहती है।' कोहली ने आउट होने से पहले एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली थी और वह टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए थे। न्यूजीलैंड के लिए पहली पारी में रचिन ने शानदार बल्लेबाजी की थी। वह भारतीय धरती पर टेस्ट में शतक जड़ने वाले 12 साल में न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने थे। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे रचिन ने 157 गेंदों पर 13 चौकों और चार चौकों की मदद से 134 रन बनाए। उनकी पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 356 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की थी। रचिन ने कहा, मैं बस साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था और साउदी के साथ साझेदारी करने से हमें मदद मिली। चिननस्वामी की पिच काफी अच्छी है। इस मैदान पर खेलना काफी सुखद है। मेरे पिता और परिवार का दर्शक दीर्घा में मौजूद रहना भी शानदार था।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

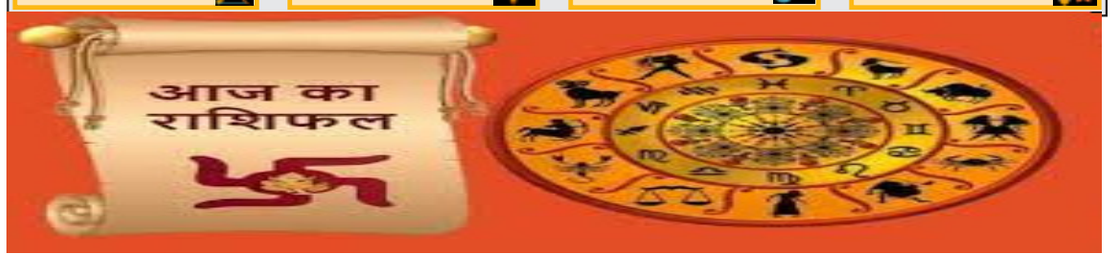

44 महीने बाद पाकिस्तान ने अपने घर में जीता टेस्ट, इंग्लैंड को दूसरे मुकाबले में 152 रन से हराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस टेस्ट के लिए टीम में शामिल किए गए स्पिनर नोमान अली ने दूसरी पारी में आठ विकेट झटके। उन्होंने मैच में कुल 11 विकेट लिए और अपनी उपयोगिता साबित की। पाकिस्तान ने मुल्तान में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रन से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 366 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर सिमट गई थी। पाकिस्तान ने 75 रन की बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में 221 रन बनाए और 296 रन की बढ़त हासिल की। 297 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी 144 रन पर सिमट गई। इस टेस्ट के लिए टीम में शामिल किए गए स्पिनर नोमान अली ने दूसरी पारी में आठ विकेट झटके। उन्होंने मैच में कुल 11 विकेट लिए और अपनी उपयोगिता साबित की। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। तीसरा और निर्णायक टेस्ट मुकाबला 24 अक्तूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा।पाकिस्तान की टीम 44 महीने बाद अपने घर में कोई टेस्ट मैच जीती है। उसने अपने घर में पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी में जीता था। तब पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 95 रन से हराया था। इसके बाद टीम ने 12 टेस्ट खेले हैं। इसमें से पाकिस्तान टीम को एक में जीत मिली है। चार टेस्ट ड्रॉ रहे और सात में पाकिस्तान की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान की टीम ने इस टेस्ट के लिए कड़े फैसले लेते हुए कई बड़े बदलाव किए थे। इनमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर बैठाना शामिल था। इसका फायदा टीम को हुआ और नए खिलाड़ियों ने पाकिस्तान की जबरदस्त वापसी में मदद की है। बाबर की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर आए कामरान गुलाम ने पहली पारी में शतक जमाया तो स्पिनर साजिद खान ने इंग्लैंड को पहली पारी में सात झटके दिए। दूसरी पारी में नोमान अली की स्पिन गेंदों का कहर बरपा और उन्होंने आठ विकेट लिए। 297 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 144 रन पर

सिमट गई। जैक क्राउली तीन रन, ओली पोप 22 रन, जो रूट 18 रन, हैरी ब्रूक 16 रन, कप्तान बेन स्टोक्स 37 रन, जेमी स्मिथ छह रन, ब्राइडन कार्स 27 रन और जैक लीच एक रन बनाकर आउट हुए। बेन डकेट और शोएब बशीर तो खाता भी नहीं खोल सके। पाकिस्तान के लिए इस पारी में सिर्फ दो स्पिनरों ने गेंदबाजी की। साजिद ने दो विकेट लिए और नोमान को आठ विकेट मिला। इससे पहले पाकिस्तान की दूसरी पारी 221 रन पर समाप्त हुई थी। अब्दुल्लाह शफीक ने चार रन, सैम अयूब ने 22 रन, शान मसूद ने 11 रन, कामरान गुलाम ने 26 रन, सउद शकील ने 31 रन और मोहम्मद रिजवान ने 23 रन की पारी खेली थी। अगा सलमान ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए थे। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और एक छक्के लगाया था। आमिर जमाल एक रन, नोमान अली एक रन और साजिद खान 22 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से शोएब बशीर ने चार विकेट और जैक लीच तीन विकेट लिए। वहीं, ब्राइडन कार्स को दो विकेट मिले। मैथ्यू पॉट्स ने एक विकेट मिला। इससे पहले इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 291 रन बनाए थे। बेन डकेट ने 114 रन की पारी खेली थी। वहीं, जैक क्राउली 27 रन, पोप 29 रन, रूट 34 रन, ब्रूक नौ रन और स्टोक्स एक रन बनाकर आउट हुए थे। जेमी स्मिथ ने 21 रन और कार्स ने चार रन बनाए थे। पॉट्स छह रन और बशीर नौ रन बनाकर आउट हुए थे। लीड 25 रन बनाकर नाबाद रहे थे। पाकिस्तान की ओर से 31 साल के साजिद ने सात विकेट लिए, जबकि नोमान को तीन विकेट मिले थे। पाकिस्तान ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे। शफीक सात और कप्तान मसूद तीन रन बनाकर सस्ते में आउट हो गए थे। इसके बाद सैम अयूब और कामरान गुलाम ने तीसरे विकेट के लिए 149 रन की साझेदारी निभाई थी।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत तीन घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन सोनभद्र।सोन नदी पुल पर गुरमुरा थाना चोपन व दूसरे वाहन मोटर साइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर

बीती रात्रि दो बाइको के टक्कर में एक कि मौत ,वाहन पल्सर UP63AZ0938 पर सवार 01 अखिलेश गौंड पुत्र श्यामलाल गौड़ उम्र करीब 35 वर्ष 02-बालचंद गौड़ पुत्र हरि नारायण गौड़ उम्र करीब 32 वर्ष 03- अनिल गौड़ पुत्र कमला प्रसाद गौड़ उम्र करीब 36 वर्ष समस्त निवासी UP64AX1847 जिसे कुबेर सिंह गौड़ पुत्र सोभनाथ गौड निवासी कोटा थाना चोपन उम्र करीब 25 वर्ष चला रहा था आपस में दोनो मोटर साईकिल टकरा गई जिससे पल्सर UP63AZ0938 पर बैठे अनिल गौड़ पुत्र कमला प्रसाद गौड पता उपरोक्त उम्र करीब 36 वर्ष की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मौके पर घायल कुबेर सिंह गौड़ पुत्र सोभनाथ उम्र 25 वर्ष निवासी कोटा व अखिलेष गौड पुत्र श्याम लाल गौड उम्र करीब 35 वर्ष निवासी गुरमुरा को तत्काल जिला अस्पताल व बालचंद गौड पुत्र हरि नारायण गौंड पता उपरोक्त उम्र करीब 32 वर्ष को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी चोपन भिजवाया गया था जिसे प्राथमिक उपचार के उपारान्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है वर्तमान में तीनों घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है दुर्घटनाग्रस्त मोटर साईकिलों को मौके से हटवा दिया गया है मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है मृतक अनिल गौंड के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया व संबन्ध मे आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राज्यपाल आरिफ खान के दावों पर मुख्यमंत्री विजयन ने किया पलटवार, नकारात्मक अभियान चलाने का आरोप लगाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर जानबूझकर निजी हमले करने और राज्य के खिलाफ 'नकारात्मक

अभियान' चलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के उस आरोप पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि विजयन ने उनके पत्र का जवाब देने में 27 दिन की देरी की।केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर जानबूझकर निजी हमले करने और राज्य के खिलाफ 'नकारात्मक अभियान' चलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के उस आरोप पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि विजयन ने उनके पत्र का जवाब देने में 27 दिन की देरी की। विजयन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर विचार न करने की आदत पर चिंता जताई है। विजयन ने राज्यपाल को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्होंने केरल में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों का जिक्र नहीं किया है। इसलिए, सार्वजनिक रूप से इस तरह की 'गलत धारणाओं' को दोहराना राज्य और उसके निवासियों को बदनाम करने के लिए निरंतर नकारात्मक अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे खेद है कि आपके बार-बार बिना सबूत वाली मीडिया खबरों पर भरोसा करने का मकसद, केवल किसी न किसी तरीके से गलत आरोपों के लिए समर्थन हासिल करना है।

मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान में बम की धमकी; फ्लाइट दिल्ली डायवर्ट, सभी सुरक्षित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद दिल्ली डायवर्ट किया गया है। न्यूयॉर्क जा रही इस फ्लाइट कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और आगे की जांच जारी है। मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से भी बयान जारी किया गया। पुलिस के मुताबिक, एयर

के सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद सोमवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया इंडिया के विमान को सुरक्षा कारणों से दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान फिलहाल आईजीआई एयरपोर्ट पर है और यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।